यीशु की ओर देखना

... परमेश्वर की बाईबल में से, यह जानते हुए की यदि मेरे वचन असफल हुए उसके नहीं होंगे। सो मैं को यशायाह की किताब से एक—एक वचन को पढ़ना चाहता हूं। और मेरे पास यहां कुछ वचन लिखे हुए हैं, और कुछ टिप्पणियां जिनका कि मैं उल्लेख करना चाहता हूं, जितना जल्दी संभव हो सके, और उसके बाद फिर से आज रात को सीध ाबीमारों के लिए प्रार्थना करेंगे।

2 मैं इस अवसर को लेना चाहता हूं, जबकि हम यशायाह 45 को निकाल रहे है, मैं इस सौभाग्य को लेना चाहता हूँ ताकि सारे सेवको को धन्यवाद दू, जिन्होंने इस सभा के लिए सहयोग किया है।

3 भाई शोर्स मेरे बहुत ही प्रिय मित्र वे इस नगर में असेंबली ऑफ गॉड का प्रतिनिधित्व करते हैं। भाई आउट ले मेरे दूसरे बहुमूल्य मित्र जो जिसस नेम कलीसिया से है। भाई फुलर जो इंडिपेंडेंस से है जो मेरे दूसरे बहुमूल्य मित्र है। केवल यही तीन व्यक्ति नहीं, ये तीन विशेष झुंडो का प्रतिनिधित्व करते हैं परंतु दूसरे सेवक जिनके लिए मैंने सेवकाई की है, जिन्होंने पहले की सभाओ की, और दूसरे अभियानों में सेवा की है, उन सब ने सहयोग दिया है और एक साथ आकर और लोगों का बाहर आना। मैं निश्चय ही भरोसा करता हूं मेरे भाईयों, कि आपके बहुत से लोग जो बीमार थे और आवश्यकता में थे इस समय में सहायता पाई। और मैं निश्चित हूं कि मैं जितना मैं जानता था कि मैं कैसे करूं मैंने यत्न किया हैऔर मैं निश्चित हूं कि पवित्र आत्मा जो भी कहा और किया गया है उसकी पुष्टि करेगा।

4 इसलिए, प्रभु आपको आशीष दे जैसे की हम बाईबल में देखते हैं, यशायाह 45, 22 वे अ–... से आरंभ करके... मतलब 22 पद से।

> *हे पृथ्वी के दूर–दूर के देश के रहने वालों, तुम मेरी ओर फिरो और उद्धार पाओ:क्योंकी मैं ही ईश्वर हूं और दूसरा और कोई नहीं है।*
>
> *मैंने अपनी ही शपथ खाई धर्म के अनुसार मेरे मुख से यह वचन निकला है और वह नहीं टलेगा, प्रत्येक घुटना मेरे सम्मुख झुकेगा और प्रत्येक मुख से मेरी ही शपथ खाई जाएगी।*

5 मैं जानता हूं, पवित्र वचन का पढ़ना ही काफी नहीं है, परंतु यह पर्याप्त है क्योंकी यह अनंत है। यह परमेश्वर का वचन है। और यदि मैं इस मूल पाठ को कहूं, लगभग बीस या तिस मिनट के लिए, मैं यह कहना चाहूंगा, मैं यह कहना चाहता हूं: *यीशु की ओर देखना*।

6 यह वर्षों की पुकार रही है "तुम पृथ्वी की छोर से मेरी ओर देखो।" मैं इसे बस थोड़ा सा घुमाना चाहता हूं, बस थोड़ा सा, और "संसार के प्रत्येक तंत्र के छोर पर से विशेषकर मेरी ओर देखो," क्योंकी वह सदा स्वयं को संसार के तंत्र के छोर में वास्तव में स्वयं को प्रगट करता है जब यह अंत पर आता है। "मेरी ओर देखो, तुम सारे संसार के छोरो में," ऐसा कह सकता हूं। वचन कहता है, "वे छोर, जगत के छोर," वे छोर बहुवचन में है, "संसार के छोर।"

7 बहुत से कहते हैं "हमने बहुत वर्षों इसे सुना है, 'मेरी ओर देखो, मेरी ओर देखो।"' खैर, यह सत्य बात है। परंतु बात ये है, प्रश्न ये है, आप क्या देखते हैं जब आप देखते हैं? आपने बहुत लंबे समय से यह पूछते आ रहे है, "मेरी ओर देखो।"

8 यहां लोग कहते है, "देखो।" यदि वे देखो शब्द का उल्लेख करते हैं, जिसका अर्थ है, "ध्यान दो, वहां देखो, या उस पर दृष्टि डालो ओर देख लो।"

9 और अब परमेश्वर यहां कह रहा है, "मेरी ओर देखो। मैं परमेश्वर हूं, और दूसरा कोई नहीं।"

10 और मैं सोचता हूं, कि इस समय में जिसमे हम रह रहे हैं हम किस की ओर देख सकते हैं जो परमेश्वर से अधिक मजबूत होगा? और परमेश्वर वचन है, इसलिए आज परमेश्वर के वचन की ओर देखे, आपके उत्तर के लिए। देखो बाईबल में आज के दिन का उत्तर है। इसके पास दूसरे दिनो का भी उत्तर था। इसके पास सदा का है, क्योंकी यह मसीह है जो कल, आज और सर्वदा एक सा है।

11 बाईबल के पास उत्तर है, क्योंकी बाईबिल यीशु मसीह का प्रकाशन है, संसार की उत्पत्ति से लेकर प्रकट हुआ है। वह नबियों के रूप में प्रकट किया जाता रहा है, वह राजाओं के रूप में प्रकट किया गया, वो व्यवस्था देने वालों के रूप में प्रगट किया जाता रहा, क्योंकि यही तो वो है: राजा, नबी, व्यवस्था को देने वाला और परमेश्वर।

अब, उसने कहा, "मेरी ओर देखो।"

12 और आप कहते हैं, "मैंने ऐसा किया है।" ये निर्भर करता है कि आप किसे देखते है, निश्चित करें, आप क्या देखते है, कहाँ पर, और आप उसे किसलिए देख रहे है। आप क्या देख रहे हैं? उसकी ओर देखने में आपका उद्देश्य क्या है? ये निर्भर करता है कि आप जिसके लिए देख रहे हैं वही आप पाते है।

13 अक्सर, लोग सभा में आते हैं, एक धार्मिक एकत्र होने के लिए, उनमें से कुछ लोग, लोगो की बड़ी भीड़ को ढूंढते है कि उनके साथ बैठे। कुछ... ओह, मैं यह कहना पसंद नहीं करता परंतु यह सत्य है। कुछ कलीसिया में अपने वस्त्रो को दिखाने जाते हैं जो उन्होंने पहन रखे है। कुछ कलीसिया में जाते हैं क्योंकी वे कहते है, "यह नगर का सबसे बड़ा आराधनालय है; या इसका—इसका बहुत नाम है; विशेष वर्ग के लोग इस आराधनालय में जाते है," तो फिर—फिर यह गलत है। समझे? आप सही चीज की ओर नहीं देख रहे हैं जिसके लिए आराधनालय को स्थापित किया गया है।

परमेश्वर ने कहा, "मेरी ओर देखो।"

14 बहुत से लोग सभाओ में जाते हैं और बस दिखावा करने के लिए। और कभी–कभी लोग सभाओ में जाते हैं... इसे कहना बहुत बुरा लगता है और हम इस बात पर अधिक समय ले सकते है। परंतु इससे पहले वे आराधनालय जाये, वे पहले से ही अपने मन को तैयार कर लेते है। यदि ऐसी कोई बात कही गई या ऐसा कुछ जो उनके विचार के विरुद्ध होता है, वे सीधा खड़े होकर बाहर निकल जाते है। वह बस ऐसे ही खड़े नहीं होंगे, क्योंकी उनके पास अपने विचार है कि ये क्या होना चाहिए।

15 यही कारण है कि यीशु को नहीं समझा गया था जब वह धरती पर आया। यदि वे केवल परमेश्वर के वचन में देखते, बजाए उनके—उनके दिनो के रीति–रिवाजों के देखने के, तो वे जान जाते कि वो परमेश्वर का पुत्र है। क्योंकी बाईबल साफ़–साफ उसके पूरे आगमन की घोषणा कर रही थी, और वह वचन के पूर्ण प्रकाशन में आया।

16 और प्रत्येक पीढ़ी उसे पूर्ण प्रकाशन में प्रगट करती है जो उस समय के लिए ठहराया गया है।

17 इस पीढी को यीशु मसीह को प्रगट करना ही है। यही उसका प्रकाशन है जिसकी प्रतिज्ञा वचन में की गई है, जो अवश्य ही इस पीढ़ी में प्रगट

होना है। यदि कलीसियाये इसे स्वीकार नहीं करेगी, कोई तो उठेगा और इसे करेगा।

18 क्योंकी यूहन्ना ने कहा, "परमेश्वर योग्य है कि अब्राहम के लिए, इन पत्थरों से संतान को उत्पन्न करें। अपने आप में भीतर ही भीतर ना सोचो, 'हमारे पास अब्राहम पिता है,' क्योंकी परमेश्वर योग्य है कि इन पत्थरों से अब्राहम के लिए संतान उत्पन्न करें।"

19 "क्योंकि परमेश्वर ने जो कहा, परमेश्वर पूरी रीती से सक्षम है कि जो उसने प्रतिज्ञा की है उसे पूरा करें। हमारे पिता अब्राहम ने यह अनुभव किया, आशा के विरुद्ध उसने आशा में विश्वास किया; और परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर अविश्वास में से होते हुए डगमगाया नहीं; परंतु बलवन्त था, परमेश्वर को महिमा दे रहा था, क्योंकी परमेश्वर ने उससे प्रतिज्ञा की थी।"

20 उसने हमसे आज के दिन के लिए प्रतिज्ञा की है। उसने हमसे प्रतिज्ञा की है। और आज हमारी प्रतिज्ञा उतनी ही निश्चित है जिसे प्रगट होना है जैसे यह अब्राहम पर थी क्योंकी हम अब्राहम की संतान हैं, "मसीह में मरने के द्वारा हम अब्राहम के बीज है, और प्रतिज्ञा के अनुसार उसके संग वारिस है।"

21 बहुत से लोग आए, उनके विचार को बनाते है, पूर्ण सुसमाचार की सभा में बैठते है, या किसी दूसरी सभा में, और वे बस थोड़ी देर प्रतीक्षा करेगे जब तक कि कुछ तो ऐसा कहा जाये जिससे वे सहमत ना हो, फिर उठकर और वहां से निकल गए। वे कुछ और सुनने के लिए नहीं रुकते है। वे... वे देखने के लिए नहीं रुकते यदि वहां था और इसका सच क्या है।

22 अब हम कहते हैं, "क्या यह आत्मा है? यह कहां से आया?" ऐसा हमेशा से हुआ है। यह उत्पत्ती से आया। यह सारे वचनो में है। बहुत सी बार...

23 जब एक समय पौलूस बोल रहा था, मेरा मतलब लोगों के एक झुंड से, क्यों, उन्होंने—उन्होंने उसे तब तक ध्यान से सुना जब तक वह व्यवस्था में बना हुआ था। परंतु जब उसने प्रकाशन के विषय में बताना आरंभ किया, स्वर्गीय दर्शन, तुरंत ही इसने सभा के लोगो को बदल दिया। वे उठकर, चिल्लाने लगे। यदि वे बस सुनते कि वो मनुष्य क्या कह रहा है, वह वचन के द्वारा परमेश्वर के सत्य को प्रगट कर रहा था।

24 कुछ समय पहले, इस संयुक्त राज्य के बड़े नगर में, मुझे बेदारी के लिए निमंत्रण दिया गया। वहां बहुत थोड़े—थोड़े लोग बाहर निकल गए। शायद, संपूर्ण बेदारी में, जितने आज रात्रि यहां इस ईमारत में है इससे अधिक लोग नहीं थे। और मैंने सोचा, "तो, मैं कुछ—कुछ नाश्ता दूंगा, मुफ्त में नाश्ता दूंगा।" और मैंने अपने प्रेम दान को लिया कि कुछ वहां उस शहर के सार्वदेशिक विश्वासीयों को मुफ्त का नाश्ता दूँ, और उन्हें कहा कि, "आओ, मैं उनसे बात करना चाहता हूँ, और उन्हें अपने वहां पर होने का उद्देश बताना चाहता हूं; ताकि शहर की सहायता करूँ, बीमारो की सहायता करूँ, उनकी सहायता करूँ, हर एक कलीसिया की।"

25 उस सुबह, जब डॉक्टर ली वेयल उस अभियान में मेरे बोलने वाले वक्ता थे, उन्होंने उन—उन श्रोतागण से मेरा परिचय करवाया, नाश्ते के बाद, मैंने इस—इस विषय को लिया, "में स्वर्गीय दर्शन के प्रति अवज्ञाकारी नहीं था।" थोड़ी ही देर में मैंने ध्यान दिया कि एक सेवक ने अपने घड़ी की ओर देखा, वहां पहुंचकर और अपने साथी को सिर हिलाकर ईशारा किया, उठकर और बाहर चले गए। इसके पहले मैं छह या आठ शब्द बोलता, लगभग उस सेवकगण के झुंड से एक तिहाई बाहर चले गए। इसके पहले कि मैं पांच मिनट बोलू कि पौलूस ने क्या कहा, कि वो "स्वर्गीय दर्शन के प्रति अवज्ञाकारी ना था," क्योंकी परमेश्वर ने उसे इस कार्य के लिए बुलाया था, उन्होंने ठीक तब ही देख लिया कि मैं अपना विचार का आधार बनाने जा रहा हूं। तो वहां एक तिहाई झुंड भी ना बचा। अब यहाँ तक कि ये मसीही सोच–विचार भी नहीं दे रहा है, एक मनुष्य के सामान जो यीशु मसीह के नाम का कहलाए।

26 मैं यह आदरपूर्वक कहता हूं परंतु मैं इसे कहता हूं ताकि यह ह्रदय में चला जाये। जो मुझे समझ और बेहतर सहभागिता, अफ्रीका के ओझा लोगो के झुंड से जो मिली थी उसकी तुलना में जो मुझे उस सुबंह सेवकों के झुंड में मिली। वे परमेश्वर के वचन पर अधिक ध्यान को देते है, और प्रश्न को पूछते है, क्योंकि... ताकि मैं उन्हें आशा दे सकूं जो मेरे भीतर राखी हुई है, उस अनंत जीवन की आशा के लिए।

27 इन सेवक गणो के पास इसके लिए बिल्कुल ही समय नहीं था, जल्द ही, जैसे ही जल्दी आप कुछ तो कहेंगे, वे बाहर चले जाते है। और ये इसी प्रकार से हैं। उन्होंने अपना विचार बना लिया था, वे बस उतनी देर ही

रुकते है और यही सब वे जानना चाहते है। यदि इसका एक भी शब्द उनके छोटी सी बात के साथ सहमत नहीं होती है जिसे वे विश्वास करते है, वे रुक नहीं सकते है और न ही उसे पूरा सुनते है। यही कारण है वे यीशु मसीह का विश्वास नहीं कर सके उसके पहले आगमन पर। यही कारण है वे उसके दूसरे में भी उससे चूक जाएंगे।

28 वे उसको हर बार चूके है। वे हमेशा ही चूकते है। और उसने स्वयं को मूसा में प्रगट किया, स्वयं को नूह में प्रगट किया, स्वयं को एलिय्याह में प्रगट किया, सारे भविष्यवक्ताओं में, हर बार वे इससे चूक गये। यीशु ने कहा, "तुम्हारे पूर्वजों में से किसने भविष्यवक्ताओं को कब्र में नहीं डाला और वे अब उन कब्रों को सजा रहे हैं? " यह सत्य है। यह हमेशा से सच रहा है। और आज भी यह सच है।

29 और अब भी, इस सब के मध्य में, हमने देखने की आज्ञा दी। "संसार के सारे छोरो से उसे देखो।"

30 कभी–कभी वे भीतर आते हैं, एक मनुष्य आपको जांचेगा किस प्रकार के कपड़ों आपने पहने है। यदि आप सेवकों के कपड़े पहने हुए नहीं हैं, और इत्यादि, तो यह बाहर हो जात है, वे आपसे कोई मतलब नहीं रखेगे। कभी–कभी वे ये देखना चाहते हैं आपकी शिक्षा किस प्रकार की है, यदि आप अपने शब्द ठीक–ठीक बोलते है, यदि आप ठीक तरह से खड़े हैं, आप अपनी संज्ञा या सर्वनाम का कैसे उपयोग करते है।

31 खुले रुप से कहूं, तो मैं नहीं जानता संज्ञा या सर्वनाम क्या होता है। मैं आपको नहीं बता सकता। इसलिए, ये मेरे लिए समझ से बाहर, और मैं—मैं बस नहीं जानता। मैं संज्ञा सर्वनाम के बीच अन्तर नहीं बता सकता। जब मैं स्कूल में था तब पढ़ा था, परंतु मैं यह बहुत पहले भूल गया।

32 मैं बस एक बात जानता हूं और वो है यीशु मसीह को उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में, यही वो सब मैं जानता हूं कि इसके विषय में किस तरह से कहना है। विशेषण संज्ञा और सर्वनाम, मैं कुछ नहीं जानता। और मैं सोचता हूं यही है जिसके लिए हम मिलकर इस प्रकार की सभा में आये, कि उसे जाने; ना की संज्ञा और सर्वनाम को जानने के लिए परंतु उसे जानने के लिए, यीशु मसीह को, उसके पुनरुत्थान के सामर्थ में।

33 अब, कुछ लोग, जब वे यीशु की ओर देखते हैं, वे उसकी ओर देखते है और उसे निहारते हैं, देखते है और उसकी ओर देखते हैं, और, फिर वे

उसकी ओर निहारते हैं, वे उसमें केवल कलीसिया के संस्थापक को देखते है, या एक—एक—एक कलीसिया के आयोजक को, या हो सकता है एक—एक कलीसिया के मत–विचार के लिए। यही है जो बहुत से लोग यीशु की ओर देखते है कि निहारे। वो बस एक नया मतसार है जो कि एक पुरानी शिक्षा में जोड़ा गया है। अब बहुत से लोग देखते और उसे इस प्रकार से निहारते है।

34 कुछ उसकी ओर और निहारते है एक काल्पनिक की नाई, जो सांता क्लाज है। या, उनमें से कुछ लोग एक ऐतिहासिक कार्य करने वाले के नाई उसकी ओर देखते है जो परमेश्वर ने वर्षों पहले किया है। उनमें से कुछ उसे अब भी चरनी के बालक के समान देखते है।

35 परन्तु, प्रश्न ये है, जब आप उसकी और देखते हैं तो आप क्या देखते हैं? क्या आप उसे त्रिएकता में का दूसरा व्यक्ति देखते हैं या आप त्रिएकता को देखते हैं, तीन जो एक में है? जब आप उसे वचन में होकर देखते केवल तब ही आप उसे देखेंगे। केवल यही मार्ग है की आप उसे जानते हैं क्योंकी वह वचन है। वह स्वयं को प्रगट करेगा। निर्भर करता है की आप किसके लिए देख रहे है।

36 यदि आप उसकी ओर देखते हैं, कि विवाद करें, तो फिर आप गलत देख रहे है। उसने विवाद नहीं किया, ये उससे उसके लिए नहीं मिलता था कि विवाद करे।

37 याद रखे, आप उसे वैसा ही देखते हैं जैसा आप उसे उसके वचन में से होकर देखते हैं और उसे पहचानते है। अब आप उसे नहीं देख सकते है जब तक आपकी आंखें सच्चाई के लिए नहीं खुलती है। दो व्यक्ति एक ही वचन को देख सकते हैं और असहमत होते हैं; उनमें से एक को सही होना है और दूसरे को गलत।

38 कभी–कभी कुछ बातें हमारे आस पास घटित होती है, जो कि हम समझ नहीं सकते है; दूसरे कह रहे होते हैं कि वे उन चीजो को देख रहे हैं, दूसरे इस विषय में कुछ नहीं देख पाते।

39 वहां नीचे दोतान की ओर देखे, उस दिन जब एलिय्याह अरामी सेना के द्वारा घेर लिया गया था। और उसका विश्वासयोग्य सेवक, गेहजी, जो उसके संग रहा, उस पर आश्रित रहा, उसके लिए पकाया और उसके वस्त्रो को साफ रखा, उसके हाथों पर पानी डालता; ठीक उसके साथ था, दिन

रात, उसे प्रचार करते और सिखाते हुए सुनता था। और उस सुबह जब वह उठा, उसने बाहर की ओर देखा और उसने देखा कि आरामी सेना चारों ओर थी; उसने कहा, "मेरे पिता, हाय! अपने विरोधियों को देखो, हमारे चारो ओर, सारी आरामी सेना!"

40 आप देखते हैं, एलिय्याह जब वह उठा, और देखा, उसने कुछ तो ऐसा देखा जो गेहजी नहीं देख पाया। और इसलिए उसने प्रार्थना की, "परमेश्वर इस नौजवान पुरुष की आंख को खोल दे।" अब उसकी आंखें पूरी–पूरी खुली हुई थी परंतु उसने कहा, "इसकी आंखें खोल दें ताकि ये देख सके।" जब उसकी आंखें, आत्मिक रूप से, खुल गयी, तो पूरा पहाड़ अग्नीमय रथो से भरा हुआ था और स्वर्गदूत नबी के चारो ओर थे। देखो, जब उसकी आंखें खुली तो यह भिन्न बात थी।

41 अब, लोग शब्द दर शब्द वचन की ओर देखते हैं, और यही वो तरीका है आपको इसकी ओर देखना चाहिये, परंतु यह स्वयं को शब्द दर शब्द और आत्मिक रूप से प्रगट करता है। आत्मा प्रतिज्ञा में वचन को जीवित बनाता है। दूसरे शब्दों में, यह एक बीज है, जिसको आत्मा अपना जीवन देता है। ये तेल से अभिषेक करता है, ये इसे देता ये—ये बढ़ता है, जैसे बारिश बीज को देती है जो जमीन में गडा हुआ है। यह जीवन अंकुरित करता है। और जब आप यीशु की ओर देखते हैं उस घड़ी के प्रतिज्ञा किये हुये वचन की नाई, तब यह आप पर प्रगट होगा। यदि आप इसकी ओर देखते है, आप देखेंगे कि वो आज, कल, और सर्वदा एकसा है, वही मसीह।

42 परमेश्वर के वचन का भाग हर पीढ़ी के लिए ठहराया गया, वहां उत्पत्ति से लेकर। परमेश्वर हमेशा किसी को तो भेजता है। अक्सर पुरोहितवाद ने इसे इतना मिश्रित कर देता है जब तक यह रीति रिवाज और इत्यादि नहीं हो जाता, जैसा कि यह यीशु के आगमन पर था और फिर परमेश्वर साथ ही नबी को भेजता है। "प्रभु का वचन नबी के पास आता है," वह इसे प्रगट करता है। मरते तक पत्थरवाह किया गया, बाहर निकाला गया, बाहर खदेड़ा गया; और फिर, और उसके जाने के थोड़ी देर बाद, वे उसकी कब्र बनाते और कहते वह महान पुरुष था। वो वहां जो पहले था वे उसके छाया में रहते थे और जो आज का वचन है उसको अस्वीकार करते है।

43 यह बस उस एक मनुष्य के समान है वो हमेशा इसके बारे में बातें करता है कि परमेश्वर कितना महान है और उसने क्या–क्या किया है, कैसे चीजों

को वो करने जा रहा है, और जो चीजें जो ठीक अभी कर रहा है उन्हें नहीं देखता है। समझे? वह उसे इतिहास में देखता है, भविष्यवाणी में देखता है परंतु यह भूल जाता है कि वो वही बात को ठीक इस समय पर कर रहा है जो उसने तब किया था। यद्यपि यही उस मनुष्य में है।

44 हम देखते हैं कि चेले एक बार, उसके बाद में... तो, यह पहले ईस्टर की सुबह थी। क्या ही वो सुबह थी! यीशु मृतकों में सी जी उठा, फूलों के मध्य चल रहा था। और दो मित्र क्लियोपास और उसका एक मित्र अमाऊस की राह पर जा रहे थे। और वे चलते–चलते बातें कर रहे थे, अपने ह्रदय में दु:खी थे। और झाड़ी में से एक मनुष्य निकल कर आया, और उनके संग चल पड़ा बाकी के दिन में, उनसे मसीह के विषय में बाते कर रहा था। और उस सांझ को उन्होंने उससे पूछा। उसके व्यवहार से लगा वह उनसे आगे जाना चाहता है, परंतु उन्होंने उससे आग्रह किया कि भीतर आए, वह आ गया।

45 और, जब वह आया उसने वहां कुछ तो ऐसा किया जैसे उसने इससे पहले किया था अपने क्रूस पर चढ़ने और पुनरुत्थान से पहले। उसके क्रूस पर चढ़ने से पहले, उन्होंने उसे वैसा ही करते देखा। उन्होंने इसे पहचान लिया कि वो वहीं था, हालांकि सारे दिन उसके संग रहे और कभी नहीं पहचान पाए कि वह कौन था।

46 आज यह संभव है, वो भला मनुष्य, अच्छा मनुष्य मसीह के साथ चलता है, उसके वचन को पढ़ता है, और फिर भी नहीं पहचानता कि यही वो घड़ी है जब बाईबल की निश्चित बात घटित होनी चाहिए। यही घड़ी है जिसमें हम रह रहे हैं, समय निकट है जब ये चीजें अवश्य ही होनी है। यह लिखा है, और इसे इसी प्रकार अवश्य ही पूरा होना है क्योंकी परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की है। जी हां, हमारी आंखें वचन को देखने के लिए अवश्य ही खुली होनी चाहिए। अब, आप वचन की ओर देख सकते हैं...

47 फरीसियो ने उस वचन को निकाल लिया था बिल्कुल ठीक जिस प्रकार से मसीहा आने वाला था। उन्होंने विश्वास किया कि वे सही थे। और वो यहां जन्मा था और उसके मध्य में चला फिरा और उन्होंने उसे दोषी ठहराया; जब उसने उन्हें बताया, "तुम पवित्र शास्त्र में ढूंढो, क्योंकि उसमें तुम सोचते हो तुम्हारे पास अनंत जीवन है, और वे वही है जो मेरी गवाही देते हैं।"

"पवित्र वचन में खोजो।"

उन्होंने कहा, "हम मूसा के चेले है।"

48 उसने कहा, "यदि तुम मूसा के चेले होते, तो तुम मुझे जानते, क्योंकी मूसा ने मेरे विषय में लिखा है।"

49 और उसने किया। मूसा ने कहा, "प्रभु तुम्हारा परमेश्वर मुझ सा एक भविष्यवक्ता उठा कर खड़ा करेगा, एक व्यवस्था को देने वाला और आदि–आदि, और एक नबी और लोग उसको सुनेगे।"

50 देखो, यदि उन्होंने मूसा के लेख को समझा होता, तो वे मुझे भी जानते। उन्होंने सोचा वे मूसा के लेख को जानते हैं परंतु आप देखिए, उन्होंने इसे नहीं जाना। देखिए, वे उसी सच्चाई के प्रति अंधे हो गए थे।

51 इसलिए उसके द्वारा थोड़े से वचन, इसी तरह के, उन्होंने क्या किया? उछल पड़े और कहा, "इस मनुष्य में शैतान है। हमें सिखाने आया है? ये कौन से विद्यालय से आया है? हमारे पास उसका कोई लेखा–जोखा नहीं है। हम सोचते है कि उसके पास कौन सी संगति का परिचय पत्र रखता है? " या, इसी लीक पर प्रश्न था।

52 परंतु वे देखने में चूक गए थे और उसी परमेश्वर को देखने के लिए जिसने वचन की प्रतिज्ञा दी जो उस व्यक्ती मसीह यीशु के द्वारा ठीक वहां पर प्रमाणित हो रहा था, क्योंकी वह उस घड़ी का उजियाला था। वह लोगो के लिए उजियाला था ताकि इसमें चले। और केवल परमेश्वर का वचन ही उजियाले को उत्पन्न करता है। केवल परमेश्वर का वचन ही उजियाले को उत्पन्न करता है।

53 परमेश्वर का वचन सूर्य की चमक देता है। परमेश्वर का वचन पृथ्वी को उत्पन्न करता है। परमेश्वर का वचन हवा को उत्पन्न करता है। हर एक चीज परमेश्वर का वचन है जो प्रगट बना, हर एक चीज जो इसकी वास्तविकता में है।

54 जब वो यहां पर था, उसने कहा, "मैं परमेश्वर हूं, और मुझे छोड़ और कोई नहीं है।"

किसी ने देखा। आईये कुछ को ले जिन्होंने देखा।

55 यशायाह, एक बार एक नवयुवक भविष्यवक्ता... यहां पिछली बार फिनिक्स में, मैंने उसके विषय में व्यापारियों से—से बात की, मैं विश्वास

करता हूं यही था। कैसे वह राजा के ऊपर पूरी रीती से निर्भर करता था, उजिय्याह, और हमने पाया कि उज़िय्याह फुल गया था और उसे कोढ़ का रोग हो गया था। तब यशायाह को वहां मंदिर में प्रार्थना के लिए जाना था और कहना था, और उसे पापी होना स्वीकार करना था। और उसने करुबो को आगे आते देखा, अपने पंखों के साथ अपने पवित्र चेहरों को और पैरो को ढापे हुए, और पंखों के साथ उड़ रहे थे, और पुकार रहे थे, "प्रभु परमेश्वर पवित्र है।" जब यशायाह ने यीशु मसीह की झलक को देखा, यहां है जो उसने देखा। उसने कभी भी किसी साधारण से धर्मी व्यक्ति को नहीं देखा। उसने कभी किसी दर्शन शास्त्री को नहीं देखा।

56 जैसे कि आज हमारे अधिकांश प्रोटेस्टेंट कलीसियाये है, मैं सोचता हूं उनमें से अडसठ मतलब छहयासी प्रतिशत है, एक सर्वेक्षण में, विश्वास करने से इन्कार करते है। वे यीशु मसीह को कुंवारी से जन्म का इन्कार करते है; हमारे प्रोटेस्टेंट प्रचारक। यह ठीक बात है। यह आकड़ो से हटकर है। ठीक, वे कुंवारी से जन्म का इन्कार करते है। वे इसे विश्वास नहीं करते कि ये वास्तव में कुंवारी थी। इसलिए, तब, यशायाह ने कुछ इस प्रकार से नहीं देखा। उनमें से कुछ ने, उन्होंने कहा, "वह एक भला मनुष्य था।" उनमें से कुछ, जैसे आज के हमारे संप्रदाय है, कहा, "वह एक भला मनुष्य है। निश्चय ही, उसमें कोई दोष नहीं, परंतु, मैं आपको बताऊंगा की, उसके वचन आज स्थापित या विश्वास नहीं किये जा सकते है।"

57 तो, कोई भरोसा और कोई विश्वास जो परमेश्वर के वचन से बाहर होता है, उसे छोड़ दो। यीशु ने कहा, "हर एक मनुष्य का वचन असफल हो जाएगा, परंतु मेरा नहीं होगा। आकाश और धरती टल जाएंगे, परंतु मेरा वचन कभी भी नहीं टलेगा।"

58 इसलिए, कोई मतसार या कोई भी चीज जो इस परमेश्वर के वचन पर नहीं बना, परमेश्वर के सारे वचन! यीशु ने कहा, "मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं जीवित रहेगा, परंतु हर वचन से।" ना कि एक वचन *यहां* दूसरा वचन *वहां,* और छोटी सी बात यहां और वहां, और इसे एक साथ रखते है; परंतु, "हर एक वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है!" मनुष्य बाईबल का प्रत्येक वचन लेगा! एक साथ रखते हुए... यह तो पहले ही मिला हुआ है; बस इसे पढ़े और इसका विश्वास करें, इस पर कार्य करें, परमेश्वर इसका आदर करेगा।

59 अब हम ये पाते हैं कि यशायाह, जब उसने देखा। यशायाह तुम क्या देखते हो? उसने देखा एक को बुलाया गया था, "युक्ति करने वाला, शांति का राजकुमार, शक्तिमान परमेश्वर, सनातन का पिता।" यही है जो उसने देखा।

60 यदि मैं दूसरे व्यक्ति के लिए बताता हूँ, दानिय्येल एक बार तुम्हें सौभाग्य मिला कि उसे देखो। एक महान भविष्यवक्ता, तुमने क्या देखा? उसने कहा, "मैंने एक पत्थर को देखा, जो पहाड़ से खोदा गया, बिना हाथों के, और यह संसार के राज्यों पर लुढ़का और उन्हें टुकड़े–टुकड़े कर दिया, और यह गर्मी में गेहूं की भूसी के निकालने के समान उड़ गया। और पत्थर एक बड़े पर्वत में बदल गया जिसने सारी धरती को ढांप लिया।" यही है जो उसने इसके विषय में कहा।

61 इसीलिए, वो किसी दिन वह संसार पर राज्य करेगा। लोग आज संसार के शासक के लिए संघर्ष कर रहे हैं; हर राष्ट्र अपनी भाषा को चाहता है, उनके—उनके विचार; हर संप्रदाय अपने झुंड को दूसरे के ऊपर चाहता है। परंतु एक आ रहा है, और वह यीशु मसीह होगा। वह विश्व का शासक करने वाला है; जो स्वयं परमेश्वर से कम नहीं।

62 एक दिन नबूकदनजर ने एक बुरे काम को किया था, उसने तीन विश्वासी बच्चो को आग की भट्टी में फेंका। और जब उसने देखने के लिए दरवाजे को खोला कि उनका वहां क्या हो रहा था, उसने चौथे पुरुष को भट्टी के अंदर देखा। और तुमने क्या देखा, जब तुमने देखा, नबूकदनजर? उसने कहा, "वह परमेश्वर के पुत्र के समान दिखाई पड़ा।" उसने यही देखा जब उसने अपने किये गए अपराध की ओर देखा, वहां पर एक था जो परमेश्वर के पुत्र के समान दिखाई दिया था।

63 एक दिन यहेजकेल ने दुष्टि डाली, उसने कहा, "मैंने उसे भी देखा और एक चक्र के मध्य में एक च्रक को देखा, जो कि आकाश के मध्य में घूम रहा था।" यहेजकेल को वो इसी प्रकार से दिखाई दिया।

64 यूहन्ना, भविष्यवक्ताओं में सबसे बड़ा, वही वो एक था जिसने यीशु को परिचय करवाया। यीशु ने कहा वो था "किसी भी मनुष्य से बड़ा जो जन्मा था।" क्या आपने कभी सोचा वो क्यों बड़ा था? बाकी सारे लोगों ने उसके विषय में बोला, "प्रभु का वचन भविष्यवक्ता के पास आता है," बाईबल ऐसा ही बताता है, और उन सारे दूसरे भविष्यवक्ताओं को ये उनके

दर्शन में आया। परंतु जब वचन यूहन्ना के पास आया, तो वो देह में था। यीशु वचन था। वो वचन है। वह हमेशा से ही वचन था, परंतु यहां वह परमेश्वर की परिपूर्णता में आया, "देहधारी बना और हमारे मध्य वास किया।" जब वो उसके पास पानी में चल चलकर आया, वो भविष्यवक्ता था। और यदि वचन देहधारी हुआ, तो उसे नबी के पास ही आना था। वचन, वह जो कुछ भी है उसे भविष्यवक्ता के पास आना है, क्योंकी वो भविष्यवक्ता ही एक होता है जिसके पास वचन आता है। और यूहन्ना उस दिन का भविष्यवक्ता था।

65 और जब वचन उसके पास आया, पानी में चलकर गया, और कहा "मैं बपतिस्मा लेना चाहता हूं।"

66 और यूहन्ना ने कहा, "मुझे आवश्यकता है की मैं तुझसे बपतिस्मा लूं और तू क्यों मेरे पास आया? "

67 उसने कहा, "अब ऐसा ही होने दे, क्योंकी इस प्रकार से हम सारी धार्मिकता पूरी करते है।"

68 क्या आपने कभी सोचा यूहन्ना ने यह क्यों कहा? क्यों यूहन्ना यीशु से ऐसा कहेगा? क्यों? क्योंकी ये... यह उनमें का बन रहा था। वे...

69 वहा वो—वो नबी और वचन था, और वचन नबी के पास आना था, अब यह उनमें से बनना था ताकि सारी धार्मिकता को अवश्य ही पूरा किया जा सके। क्या हुआ? तब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया। क्योंकि, यूहन्ना नबी होने के कारण वचन को जानता था, बलिदान को धोया जाना अवश्य था इसके पहले की उसे उपस्थित किया जाए, और इसी कारण यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया।

70 यूहन्ना ने दृष्टि डाली और उसने देखा। उसने कैसे जाना कि वो यीशु था? उसने एक पंडुकी को देखा, परमेश्वर के आत्मा के द्वारा उसे यह बताया गया। "और जिसके ऊपर तू आत्मा को उतरते देखें, और उस पर बना रहे, वही वो एक है जो पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।"

71 नूह ने देखा। हम यहां पर ये पाते हैं, वहां एक और मनुष्य दिखाई पड़ा, जिसका नाम नूह—नूह था। उसने दृष्टि की और देखा परमेश्वर का न्याय... न्यायी परमेश्वर का न्याय, मतलब, वचन के ठुकराने वाली उस दुष्ट पीढ़ी पर उंडेला जा रहा था। उसके दर्शन में, जैसे कि नूह भविष्यवक्ता था, परमेश्वर ने उसे दर्शन दिया कि जहाज को कैसे बनाया जाए, और

नाव को बनाने का निर्देशन दिया, की इसे किस तरह से बनाना अवश्य है। इसमें, नूह कैसे कर सकता है, जब तक यह दर्शन परमेश्वर का वचन नहीं होता है, जब उसने इस क्रोध को देखा और तैयारी के मार्ग को बना रहा था?

72 हमेशा ही, इसके पहले की न्याय आता, वहां तैयारी की गई। यह हमेशा ही परमेश्वर का वचन रहा है।

73 और जब वो परमेश्वर के वचन को कुल मिलाकर बना रहा था, इस बात का गवाही देते हुए कि उसका दर्शन सच्चा था और उसने उसमें विश्वास किया, उपहास करने वालो ने उसका मजाक उड़ाया और आदि–आदि। परंतु नूह ने आगे देख लिया था और परमेश्वर के न्याय को देख लिया था कि लोगों पर न्याय की मांग करता है, और उसने अपने घराने को बचाने के लिए एक जहाज का निर्माण किया। जब उसने देखा, उसने परमेश्वर के क्रोध को आते हुए देखा, और इस बात से बच निकलने के लिए उसने लोगों के लिए तैयारी की।

74 इसी प्रकार यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने किया, उसने बचने के लिए तैयारी की।

75 और ऐसे ही आज पवित्र आत्मा है, यीशु के आगमन के आगे चलने वाला, जो निर्माण कर रहा है, यीशु मसीह के देह की। हमारा इसमें बपतिस्मा हुआ है; न ही मतसार के द्वारा, ना ही संप्रदाय के द्वारा या एक हाथ मिलाने के द्वारा। परंतु, "परमेश्वर के आत्मा के द्वारा हमारा यीशु मसीह की देह में बपतिस्मा हुआ," एक निर्माण जो न्यायो में स्थिर रहेगा, क्योंकी इसका न्याय पहले ही हो चुका। "जब मैं लहू को देखता हूं, तो मैं तुम्हें छोड़ जाऊंगा।" जी हां।

नूह, उसने देखा और उसने देखा कि क्या आ रहा था।

76 मूसा ने देखा, एक दिन, उसने अग्नि के खम्बे को देखा। उसने इसका ध्यान आकर्षित किया। ये महान धर्मज्ञानी, वह अपने सारे धर्मज्ञान के प्रशिक्षण के साथ भाग निकला था, और अपनी समझ के साथ (उसकी मां के द्वार दी गयी) स्वयं वचन की। किकैसे उसे इस्राएल की संतान को छुड़ाना था। परंतु जब उसने अपने तरीके से यत्न किया, वह असफल हो गया। और हालांकि उसकी मां ने इस पर उसे विस्तार से निर्देशन दिए थे कि क्या करना है, और वह क्या करेगा और परमेश्वर ने उसका किसलिए

पालन पोषण किया था। इस सारे ज्ञान को, जितना यह अच्छा हो सकता है, और यह अच्छा था, परंतु फिर भी इसे उत्तेजित करना था। यह तो केवल यान्त्रिकी थी।

77 यान्त्रिकी वह नहीं जो वाहन को दौड़ती है। यह तो गतिकी है इसे दौड़ती है।

78 यान्त्रिकी कलीसिया को नहीं चलाती; यह गतिकी होती है, वो पवित्र आत्मा जो इस वचन के अंदर जाता है। यह धर्म विद्यालय नहीं जो आपको सारा धर्म ज्ञान सिखाता है और यूनानी अनुवाद। परंतु ये उसमें पवित्र आत्मा की गतिकी होती है, जो उसे प्रज्वलित करता है और इसे घटित करता है, और इसे जीवित करता है बिल्कुल ठीक जो इस घड़ी का प्रतिज्ञा किया हुआ वचन है। ना की यन्त्रिकी; गतिकी! ये यान्त्रिकी और गतिकी को लेता है, वचन और आत्मा, ये वो एक है जो जीवन को देते हैं।

79 जो परमेश्वर ने इस घड़ी के लिए प्रतिज्ञा की है, इसे घटित होने के लिए देखो। आपको उसकी ओर अवश्य ही देखना चाहिए, क्योंकि वो वचन है। और केवल एक ही जरिये से आप वचन को देख सकते हैं, कि उसकी ओर देखे। उसकी ओर देखें, वो वचन है, और आज के दिन के लिए प्रतिज्ञा किया हुआ वचन इसे आज ही पूरा होना है। नूह का समय आज के दिन को पूरित नहीं कर सकेगा; यह तो केवल एक नमूना था, मूसा का समय, और आदि–आदि। परंतु यह वो दिन है जिसकी परमेश्वर ने इन बातों की प्रतिज्ञा की है जिनका हम आनंद ले रहे है, ये बातें जो अब हम देख रहे है, जिस पर संसार हंस रहा है, पवित्र आत्मा की यह महान गतिशील सामर्थ, जो एक पापी का हृदय बदल सकती है, जो कि एक गुनगुने कलीसिया के सदस्य को ले सकता है, और उसे एक गवाही देता है जो कलीसिया को उत्तेजना में लेकर आएगा, जहां से वह आया। यह गतिकी है जो उस वचन के अंदर है।

80 जैसा कि मैंने अक्सर कहा मैंने दो वर्ग के लोगो को पाया है। उनमें से एक मूल सिद्धात वाले; स्थितिनुसार वह जानता है कि वह मसीह में कहां है, वचन के कारण, परंतु जो वह कर रहा है उसमें उसे विश्वास नहीं है। उसने पवित्र आत्मा को नहीं पाया है। फिर मैं पेन्टीकोटल को पाता हूं, उन में से बहुत लोगो ने पवित्र आत्मा पाया है, परंतु नहीं जानते कि वे कौन है। एक मनुष्य के समान जिसके पास बैंक में पैसे हैं और चैक को नहीं

लिख सकता, और दूसरा एक चैक लिख सकता है और बैंक में पैसे नहीं है। यदि आप इन दोनों को एक साथ कर सकते है, यदि आप पेंटीकोस्टल वाले को ऐहसास दिला सके कि वो कौन है, और वास्तविकता में वापस आए, परमेश्वर का पूर्ण वचन; पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के साथ, यह नए पेंटीकोस्टल की बेदारी से संसार में आग को प्रज्वलित कर देगा। भाईयो, बहनों, यह सत्य है।

81 "मेरी ओर देखो, पृथ्वी के सारे छोर से; क्योंकी मैं परमेश्वर हूं, और मुझे छोड़ और दूसरा कोई नहीं है।"

82 ओह हम साम्यवादी को परख सकते है, हम हर चीज को परख सकते है, परंतु सोचता हूँ यदि हम वचन के भाग को परख सके जो परमेश्वर के द्वारा आज के दिन के लिए ठहराया गया है? मैं सोचता हूँ कि यदि हम चिन्ह को देख सके जो परमेश्वर ने हमें बताया है कि आज के दिन यहां पृथ्वी पर होगा? मैं सोचता हूँ क्या हम ऐसा करते है?

83 हां, फिर से मूसा पर वापस। वह... उसके पास इसके विषय में सारी यान्त्रिकी थी, परंतु एक दिन जलती हुई झाड़ी में, उसने एक मनुष्य को, मनुष्य की आवाज के साथ बोलते हुए सुना, एक जलता हुआ अग्नि का स्तंभ, जो वहां पीछे झाड़ी में मनुष्य की आवाज में बोल रहा था, और खा, "मैं जो हूं सो हूं। और मैंने अपने लोगों के कहराने को सुना है। मुझे अपना वचन स्मरण है, और मैं उन्हें छुड़ाने के नीचे उतर आया हूं। और इसे करने के लिए मैं तुझे भेजता हूं।" क्या ही वो भिन्न मनुष्य था, और जैसे ही उसे मिला... उसके पास यान्त्रिकी थी, लेकिन इसमें उसे गतिकी मिल गयी। "निश्चय ही, मैं तेरे संग होऊंगा।" जाने के लिए मूसा को इतना ही काफी था, उसने दृष्टि डाली और उसने जलती हुई झाड़ी में देखा।

84 बाद में यात्रा में, हम पाते हैं इस्राएल जब बाहर निकल रहा था। उन्होंने ने भी देखा, और उन्होंने एक पीतल का सर्प देखा। और इस पीतल के सर्प में जो उनके रोग निवारण के लिए था... उन्होंने पाप किया था और उन्होंने एक पीतल का सर्प देखा। उन्होंने इस पीतल के सर्प को देखा, छाया में, परमेश्वर का न्याय जो यीशु मसीह पर डाला जायेगा, कि हम हममें से सारे अयोग्य पापियों, दोषी के लिए मरे। यही है जो उसने देखा।

85 चेलों ने उसकी ओर देखा, एक समय, वहां सागर में परेशानी में थे और उन्होंने क्या देखा? उन्होंने अपनी सहायता देखी। उन्होंने देखा उसमें से होकर सहायता आ रही है।

86 मार्था, जब उसके परिवार में मृत्यु हो गई, उसका अपना भाई लाजरस मर गया था, उसका एक ही भाई था। उसने मृत्यु के समय पर उसकी ओर देखा, और उसने पुनरुत्थान और जीवन देखा। यही है जो उसने उसमें देखा। अब, यह ऐसा प्रतीत होता है जैसे उसने मार्था से मुंह मोड़ दिया है; वह दूर चला गया था जब उसका भाई मरा। परंतु पहली चीज जो आप जानते हैं, तुरंत ही उसने पाया... उस लड़के के मर जाने के पश्चात, और चार दिनों से गड़ा हुआ था, वह पहले ही बदबू मार रहा था।

87 मार्था जान गई उसमें ऐसा कुछ तो है जो भिन्न था। उसने पवित्र वचन को पढ़ा था। वह उस पर परमेश्वर का पुत्र होने का विश्वास करती थी, इम्मानुएल, परमेश्वर प्रगट हुआ। वह जान गई कि वह परमेश्वर का प्रतिनिधित्व था। और वह जान गई, यदि एलिय्याह एक मरे हुए बालक को जिला सकता था, और वो तो उस घड़ी के लिए बस वचन का भाग ही था; मसीह वचन की सम्पूर्णता था, निश्चय ही वह जान गई थी कि उसके पास उसके भाई को जिलाने की सामर्थ थी। और जब वह मृत्यु की घड़ी में उसके पास पहुंची, शोक में, उसने पुनरुत्थान और जीवन को पाया जब उसने उसकी ओर देखा। उसने उसकी आलोचना करने के लिए उसकी ओर नहीं देखा, या उससे पूछे कि वह क्यों नहीं आया, या उससे प्रश्न करें।

88 आपको परमेश्वर के वचन पर कभी भी प्रश्न नहीं करना चाहिए। इसी से सारी मानव जाति संकट में पड़ी है, जब हव्वा ने प्रश्न किया कि क्या परमेश्वर अपने सारे वचन को रखेगा या नहीं। भाइयों, आज रात्रि मैं कहता हूं कि अब समय आ गया है कि हम परमेश्वर के लिखे हुए प्रत्येक वचन का विश्वास करें। इसका हर एक बिंदु सत्य है। "मनुष्य परमेश्वर के मुख से निकले हुए प्रत्येक वचन से जीवित रहेगा।"

89 अब हम पाते हैं कि मरियम ने पुनरुत्थान और जीवन को देखा।

90 ऐसा ही याईर ने देखा, वह छोटा सा याजक, एक गुप्त विश्वासी, जब उसने यीशु को देखा और उस पर दृष्टि डाली, उसने पुनरुत्थान और जीवन देखा।

91 एक दिन भूखे लोगों ने उसकी ओर देखा, और जीवित रखने वाली रोटी देखा; एक नमूना कि आज भूखे जीवन की रोटी पा सकते है, ना कि मतसार को ढूंढे। आप नेव रखने वाले को नहीं देखते है, आप सुधारक को नहीं देखते है; आप जब मसीह को देखते हैं तो आप जीवन को देखते है, जो जीवन की रोटी है।

92 मरते हुए चोर ने उसकी ओर देखा, उस संकट की घड़ी में, और उसने क्या पाया? उसने अपनी क्षमा पायी। वह और किसे देख सकता था? उस चोर को रोमी सरकार क्षमा ना करेगी। कोई भी और उसे क्षमा ना करेगा। परंतु उसने यीशु की ओर अपने संकट में देखा, और उसने पाया कि कोई है जो उसे क्षमा कर सकता है।

93 मेरे भाईयो, बहनो आज रात्रि, यदि आप लटके हुए हैं जैसे वह तब था, उस इंसाफ के तराजू पर; और जानते हुए, यदि तू आज रात्रि कलीसिया के गुनगुने सदस्य के समान मर जाता है, या एक गुनगुने पेंटीकोस्ट की नाई, या आप जो भी हो सकते हैं, आप जानते हैं कि आप कहां जा रहे हैं। उसकी ओर देखिए, आज रात्रि और वही वो एक है जो आपको स्वतंत्र कर सकता है। एक, आज रात्रि, यदि आपकी केवल एक सदस्यता है, और नहीं जानते कि मसीह के पुनरुत्थान का अर्थ क्या होता है ताकि मनुष्य ह्रदय में जीए, उसकी ओर देखें। वह परमेश्वर है, और केवल वही है। आप इस बेचारे के समान क्षमा पाएंगे, ठोस, पाप का भोगी चोर ने किये, क्रूस पर लटका रहा है।

94 उन बिमारो ने उसकी ओर देखा। उन्होंने क्या पाया? उन्होंने चंगाकर्ता को देखा। बीमार आज रात्रि अब भी उसकी ओर देख सकते है, और एक चंगाकर्ता को देखते है। उन्होंने उसमें पाया वही जिसका प्रतिनिधित्व पीतल के सर्प ने किया था; यदि यह छाया थी, यह प्रतिरूप था। अंधे ने उसकी ओर देखा और देख सकता था, "वो कल, आज और सर्वदा एक सा है।" इब्रानियो 13:8।

95 एक बार कवि ने देखा, पाया जो वो देख सकता था। अंधी फिनी क्रॉसबाय ने एक बार उसकी ओर देखा, देखने के लिए जो वो देख सकी। अंधी होते हुए, यहां उसका उत्तर था:

तू जो मेरे समस्त विश्राम की धारा है,
मेरे लिए जीवन से अधिक,
तेरे सिवाये इस धरती पर मेरा कौन है?
या स्वर्ग में तेरे सिवाये मेरा कौन है?

96 एक बार एड्डी पेर्रोनेट, जब वो अपने गीत बेच ना सका और वह सोच में था कि क्या करें। और वो अपने दफ्तर में वापस गया, और वह प्रेरणा उस पर उतर कर आई, पवित्र आत्मा; कलम को उठाया, और उसने दृष्टि की और उसने उसे सामर्थ में देखा, और उसने लिखा और गीत की रचना की:

सारी जय यीशु नाम की सामर्थ को!
वे दूत गिरकर दंडवत करे;
शाही मुकुट ले आओ,
और उसे ताज पहनाओ जो सबका प्रभु है।

यही है जो उसने उसमें देखा। ओह, प्रभु!

97 पतरस, एक स्थानीय मछुआरा था; जब उसका भाई यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की बेदारी सभा में गया था, इन्द्रियास। वे इस विषय में बात कर रहे थे, कि मसीहा कैसा होगा, और इसे विषय बातें कर रहे थे। उसके पिता ने उसे बताया कि, "बहुत से कट्टरपंथी उठ खड़े होंगे, मसीहा के कुछ समय पहले, परंतु तुम उसे जान जाओगे। वो एक भविष्यवक्ता होगा। प्रभु ने कहा, 'वह एक भविष्यवक्ता होगा।' हम भविष्यवक्ताओ पर विश्वास करना समझते है।"

98 और अंततः एक दिन, इन्द्रियास अपने जितने अनुमान लगा सकता था, उसने अंत में पतरस को उसे सुनने के लिए आने को कहा, क्योंकी वो वहां नीचे किनारे पर एक प्रात: सभा करने जा रहा था। वह वहां परमेश्वर का वचन सुनने को गया। और जब वो यीशु मसीह की उपस्थिति में जा रहा था, पतरस ने क्या देखा जब उसने उस पर दृष्टि डाली? उसने कहा, "तू, तेरा नाम शमौन है, और तू योना का पुत्र है।" यह हमेशा के लिए तय हो गया। वह जान गया था कि परमेश्वर का वचन पूरा हो गया था।

99 नतानयेल एक बार, पुराने नियम का सच्चा विश्वासी, मसीहा के आने की प्रतीक्षा कर रहा था। वो फिलिपुस के द्वारा लाया गया, जो उसका एक मित्र था, यीशु की उपस्थिति में उसे लाया, मंच पर खड़ा हुआ था, चौखुटे

लट्ठे पर जो भी हो सकता है, बीमारों के लिए, प्रार्थना कर रहा था। और जब नतनयेल प्रार्थना पंक्ति में आया, या जो भी ये था, और उस पर पहली बार दृष्टि डाली, उसने एक आवाज़ को सुना, उसके लिए, और कहा, "देखो एक इस्राएली जिसमें कोई भी कपट नहीं।"

100 उसने कहा, "रब्बी तूने मुझे कैसे जाना? तूने मुझे कभी देखा? "

101 उसने कहा, "इसके पहले की फिलुपुस तुझे बुलाता जब मैं... जब तू पेड़ के तले था, मैंने तुझे देखा।"

102 नतनेएल ने क्या स्वीकार किया जो उसने देखा? उसने क्या कहा? "तू मसीह है। तू इस्राएल का राजा है। तू परमेश्वर का पुत्र है।" यही है जो उसने देखा, जब उसने उस दिन के लिए परमेश्वर का सच्चा वचन देखा। चार सौ वर्ष बिना भविष्यवक्ता के, और उसे देखा कि उसके ह्रदय के सारे विचारो को परख लिया, और उसने जो किया था, वह जान गया यह मसीह से कुछ कम नहीं हो सकता। हमारे पास यह नहीं था, उनके पास ये नहीं था, और इसकी प्रतिज्ञा की गयी थी, और हर कोई जान गया था कि समय निकट है।

103 इसलिए क्या हम जानते हैं कि आज भी वैसा ही है, हम जानते हैं यीशु ने इन बातों प्रतिज्ञा की थी। उसने कहा, "जैसा की लूत के दिनों में था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा, ऐसा ही होगा जब वो आता है।" हम इन बातों को होते हुए देखते है।

104 आप क्या देखते हैं अब जब आप उसकी ओर देखते है? क्या आप देखते है, पौराणिक कथाओ को सोचते है, या—या आप किसी प्रकार की एक—एक दूरसंवेदना को देखते है, या आप क्या सोचते हैं, जैसा उन्होंने वहां पहले किया? फरीसियो ने उस पर दृष्टि की वे क्या कहते होंगे? "इस मनुष्य में शैतान है।" वही लोग उसी व्यक्ति को देख रहे हैं, मनुष्य जाति; एक ने परमेश्वर के पुत्र देखा, एक प्रतिज्ञा किया हुआ प्रमाणित वचन; और दूसरे एक ने इसे शैतान कहा। आप क्या देखते हैं? आज आप किसे देख रहे हैं जब आप पवित्र आत्मा के सामर्थ को देखते हैं सारे ईमारत के अंदर में छा जाती है, उसकी प्रतिज्ञा को इन अंतिम दिनों में पूरा कर रहा हैं वह क्या करेगा? आप जब दृष्टि करते है तो क्या देखते हैं? यदि आप परमेश्वर के प्रमाणित हुए वचन को देखते हैं, तो फिर यह परमेश्वर का पवित्र आत्मा है। जी हां, श्रीमान।

105 नतनेएल ने प्रतिज्ञा किया हुआ वचन देखा जिसके लिए वह जी रहा था, कि उस अभिषिक्त प्रतिज्ञा को देहधारी हुआ देखे। मूसा, उस भविष्यवक्ता ने ऐसा कहा था। वह मूसा अभिषिक्त भविष्यवक्ता उसने इस वचन की प्रतिज्ञा की थी।

एक दिन, एक महिला कुंवे पर थी।

106 बहुत से लोगों ने उसे अस्वीकार कर दिया था। उन फरीसी और सदूकीयो ने उसे "शैतान" कहा। उन्होंने कहा, "यह उसने ज्योतिष विद्या बताने के द्वारा किया। वह एक दुष्ट आत्मा था। वह पागल था। उसके पास जाने के लिए कोई स्थान नहीं था; उसके साथ यही परेशानी थी, कि वह बस एक—एक स्वधर्मत्यागी मनुष्य था।"

107 क्या हुआ? क्या हुआ? वह सामरिया होकर निकला, और सुखार का एक नगर। और जब एक दिन वो वहां पर गया, और वहां उस—उस छोटे से परिदृश्य पर बैठा था। वहां एक स्त्री पीने का पानी को लेने निकल कर आयी, और उसने कहा... और उसने उस स्त्री को सुना। उसने एक आवाज को कहते सुना, "स्त्री, मुझे पीने को पानी दे।" और वह... स्त्री ने उसकी ओर देखा उसने क्या देखा?

108 पहले तो, वह इसे ना समझ सकी। उसने उससे प्रश्न किया। "यह रीति अनुसार नहीं है कि सामरी से—से कहे, या तुम यहूदी सामरियो से इस तरह से मांगो।"

कहा, "परंतु, स्त्री, यदि तू जानती कि तू किससे बातें कर रही है!"

109 अब याद रखे वहां एक छोटा सा उजियाला था, जीवन का बीज वहां पड़ा हुआ था, दुनिया की नीव डालने से पहले ठहराया गयी। वह उसकी प्रतीक्षा कर रही थी। वह बीमार और थक चुकी थी उनके धर्मज्ञान और आदि से जो उन्होंने कहा था। परंतु वह किसी चीज की प्रतीक्षा कर रही थी, क्योंकी वह जानती थी एक मसीह का आगमन था।

और उसने कहा, "जा जाकर अपने पति को यहां बुला कर ला।"

उसने कहा, "मेरे पास कोई नहीं है।"

कहां, "तू ने सच कहा। तेरे पांच पति हुए थे।"

110 तुरंत ही, वो छोटा सा बीज जीवन के लिए फूट पड़ा। उसने क्या देखा? उसने मसीह के चिन्ह को देखा, एक मनुष्य में। उसने देखा प्रतिज्ञा

का वचन प्रगट हुआ। उसने कहा, "श्रीमान, मैं मान लेती हूं कि तू एक भविष्यवक्ता है। हमारे पास चार सौ वर्षों से एक भी नहीं था। हम जानते हैं हमारे पास मसीहा के आगमन की प्रतिज्ञा है, और, जब वह आता है, वह हमें यह बताएगा। यही है जो वो करेगा।" समझे? उसने क्या देखा, वह क्या समझी? उसने उस दिन के लिए प्रतिज्ञा किये हुये चिन्ह को देखा, जो प्रगट हुआ।

111 आज के दिन के लिए पवित्र आत्मा की प्रतिज्ञा की गई है, उसके पुनरुत्थान की सामर्थ, एक कलीसिया, "जो विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे।" यीशु ने प्रतिज्ञा की, "और जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे।" जब आप दृष्टि करते हैं तो आप क्या देखते हैं?

112 जब आप रविवार की सुबह आराधनालय में जाते हो, क्या आप अच्छे ऑर्गन के लिए देखते हैं अच्छे कपडे पहने हुए सेवक के लिए, वस्त्र धारण किये हुये गायन का समूह, उन रंगी हुई महिलाओं के झुंड को? आप किस के लिए देखते हैं कलीसिया में किसी प्रकार के समाज के लिए? तुम *इससे* और *उससे* संबंध रखते हो। आप किस के लिए देखते हो? यही है जिसके बारे में आप देखते है। यहां सुनिए। कोई आश्चर्य नहीं, जब आप यह स्पष्ट सुसमाचार ले जाते हैं, और पवित्र आत्मा को आते देखते है और पुराने चलन के झुण्ड के लोगों के मध्य में प्रमाणित होते देखते है, यह आपके लिए अपरिचित है, इसे आपके लिए विश्वास करना कठिन है।

113 जैसा कि उस रात्रि मैंने यूसुफ के विषय में कहा, "उसके लिए यह सोचना कठिन था कि मरियम गर्भवती हुई है। 'वह भला कैसे हो सकती है इस प्रकार की एक छोटी पवित्र महिला, और उसने कहा कि जिब्राईल ने उससे भेँट की थी? '" परंतु ये बहुत ही असाधारण बात थी। इस प्रकार की बात का होना बहुत ही असाधारण था। ऐसा पहले कभी भी नहीं हुआ।

114 यही है जहाँ परमेश्वर वास करता है, इस असाधारणता में, शारीरिक मस्तिष्क के लिए। परंतु वे जो उसका विश्वास करते हैं कि वो कल, आज और सर्वदा एक सा है, सारी बातें संभव है। हर एक वचन जिसकी उसने प्रतिज्ञा की है वो पूरा होगा। ये असाधारण चीजे है जो उसे परमेश्वर बनाती है। वह असाधारण के पास जाता है। यह लोगों के लिए हर एक चीज असाधारण बनाता है। जी हां, श्रीमान। तो ठीक है।

115 उस स्त्री ने उस पर दृष्टि डाली, और उसने मसीह के चिन्ह को देखा, परमेश्वर देह में प्रगट हुआ। बहुत से, वैसे ही लोग, देखा, और कुछ भी नहीं देख पाये।

116 नूह के दिनों में अविश्वासी, उन्होंने क्या देखा? एक कट्टरपंथी, बड़ी भूल को कर रहा है जिसे वह नाव बताता है। बस उन्होंने यही देखा। जबकि, वही नाव आने आप में दर्शन के द्वारा बनाई गयी जो सर्वशक्तिमान परमेश्वर से मिला। वही बात जिस पर वह विचार कर रहा था, उसका संदेश जो वह प्रचार कर रहा था, वह अपने संदेश के द्वारा बना रहा था, इस बात की गवाही देते हुए कि वो धर्मी था और आगे की ओर देख रहा था। जो उसने प्रचार किया उसी को उसने जीया।

117 यही है जो हमें आज करना चाहिए। किसी मनुष्य को प्रचार करने का अधिकार नहीं जब तक कि वो पवित्र आत्मा से भरा हुआ ना हो। सही है! धर्म ज्ञानी और गणितज्ञ और आदि–आदि, इसकी पूरी तरह आपसे दूर व्याख्या कर सकते हैं। परंतु यदि एक मनुष्य कभी पीछे रेगिस्तान में रहा हो, उस पवित्र स्थान में, और परमेश्वर से मिला हो मूसा के समान, तो फिर कोई मनुष्य इसे उसमें से निकाल नहीं सकता। वह जानता है! वही वो एक था जो वहां पर था। उसे कोई और इस विषय में कुछ भी नहीं बता सकता। वह वहां पर था। यही वो कारण है यीशु ने अपने चेलों को आज्ञा दी, "तब तक प्रचार ना करना जब तक तुम यरूशलेम नगर में जाकर ऊपर से सामर्थ को प्राप्त ना करो, तब तुम मेरे गवाह ठहरोगे।" यही है उन्होंने देखा। जी हां, श्रीमान।

118 नूह। वे कुछ नहीं देख सके; यह करने के पश्चात उन्होंने क्या किया? परमेश्वर के वचन से अज्ञान हो गये और स्वयं पर न्याय को ले आए। यह सही बात है।

119 मैं कहता हूं, जैक मूर के साथ, यह कहने से उसका उल्लेख नहीं कर रहा हूँ, क्योंकी मैं सोचता हूं यह अब ऋतू के अनुरूप है। जैक मूर ने कहा, "यदि परमेश्वर अमेरिका को नहीं डुबाता है और उसे जलाता है, तो उसे सादोम और गमोरा को को खड़ा करना होगा और उन्हें जलाने के लिए उनसे क्षमा मांगेगा।" और यह सत्य है।

120 परमेश्वर न्यायी है। उसके वचन में न्याय की भरपाई है, और निश्चय ही वह संसार का न्याय करेगा आज उसके वचन के विरुद्ध कार्य के लिए। कोई

मतलब नहीं हम कितनी सभाओ को करते है, हमारे पास कितनी धार्मिक सभाये है, ये वो नहीं है। यह वचन है!

121 देखिए, वहां इससे और अधिक धार्मिक समय नहीं रहा है, उस दिन से बढ़कर जब यीशु धरती पर आया, ओह, हर चीज धार्मिक और रीती–रीतियों में निगल ली गई थी, और यह सब गलत था!

122 ऐसा ही तब था जब आमोस, छोटा, गंजा प्रचारक आया था; हम नहीं जानते वह कहां से आया। उसकी दो सुकडी हुई छोटी–छोटी आंखो ने, जब वो पहाड़ को पार करके आया और सामरिया पर दृष्टि डाली। यह पर्यटकों का महान नगर, फिनिक्स के जैसे। बहुत से लोग संसार भर से आते ताकि देखें, इस बड़े नगर को देखें, यह कितना सुंदर था। ओह, सब कुछ चल रहा था, रात्रि के क्लब, मौज–मस्ती करने का वास्तविक स्थान, "रहना का एक स्थान," उन्होंने कहा। परंतु जब यह छोटा सा किसान लड़का, पवित्र आत्मा के द्वारा प्रभावित हुआ, वहां से होता हुआ आया, उसके आगे जाने वाला कोई नहीं था कि उसकी सभाओं के लिए प्रबंध करें, उसके पास कोई चिन्ह नहीं थे, ना संप्रदाय उससे जुड़ा हुये, या कोई नहीं था कि उसके पक्ष में हो। परंतु जब वो पहाड़ को पार करके आया और अपनी छोटी आंखों को सिकुरते हुए, जब उसने उस नगर की ओर देखा, उसने कुछ तो देखा जो कि बाकी लोगो में से किसी ने नहीं देखा। उन सब ने मौज–मस्ती और नगर की चीजो को देखा। परंतु उसने परमेश्वर के आ रहे न्याय को देखा, और उसने इसके विरुद्ध भविष्यवाणी की। उन्होंने उसे, "पागल" कहा। परंतु ग्यारह वर्षों पश्चात, जैसा उसने कहा था बिल्कुल ठीक वैसा ही घटित हुआ।

123 मनुष्य जो कलीसिया की ओर देख सकता है, जिस तरह से आज ये चल रही है और जिस तरह से लोग करते जा रहे हैं, और भविष्य में आशीष का अनुमान कागा रहे हैं? मैं न्याय का अनुमान लगाता हूँ, केवल उसी का। उसके वचन को अनदेखा करने पर, न्यायी परमेश्वर न्याय की मांग करता है। वह बस आने वाला है और इसे हमारे सामने प्रमाणित करने वाला है, और ताकि इसे सही करे। परंतु न्यायी परमेश्वर, इन सारे युगों में से होते हुए, वह अपनी योजना को नहीं बदल सकता। वह अपनी योजना कभी नहीं बदलता। वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। उसके मार्ग एक से है। उसका वचन एक सा है। सारा का सारा, वह एक सा है। यदि कोई

प्रायश्चित करने के लिए तैयार है, तो वह दया से भरा हुआ है, परंतु यदि आप प्रायश्चित नहीं करते हैं, तो न्याय आएगा।

124 फिरौन ने जब वहां पर दृष्टि डाली, और कहलाने वाले कट्टरपंथी, और कहलाने वाला कट्टरपंथी नबी, छुटकारे के बहुत से दावों के संग, यही है जो उसने देखा। परंतु इस्राएलियो ने मूसा के ऊपर परमेश्वर के हाथ को देखा। जी हां, श्रीमान।

125 धनी पुरुष ने दृष्टि की और देखा, सामर्थ थी, परंतु उसका संगठन उससे बहुत बड़ा था जिसमें से वह इसके साथ निकल सकता था। उसकी अगली दृष्टि कहां पर है? उसने नरक से बाहर देखा। यह बिल्कुल सही है। उस पर न्याय आ गया। ऐसा अगली बार था जो उसने देखा। ऐसा ही आज बहुत से लोगों के साथ है।

126 एक समय रोमी सिपाही ने दृष्टि डाली, जब उन्होंने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया। उसने देखने के लिए दृष्टि की उसने क्या–क्या किया था, परंतु तब ये बहुत ही देर हो चूकी थी।

127 मित्रों, अमेरिका भी यही करने जा रहा है। वे किसी दिन देखने जा रहे हैं, और कहेंगे, "सच में यह परमेश्वर का पुत्र था," परंतु यह बहुत देर हो जाएगी। वे हंसे थे और अंतिम बार इसका उपहास उड़ाया।

128 वो तब केवल देख सकता और देखता कि वह कहां पर बचाया जा सकता है, परंतु तब ये बहुत देर हो चूकी थी। उसने जीवन के राजकुमार को क्रूस पर चढ़ा दिया था।

129 और आज बहुत सी बार लोग यीशु मसीह को उनके ह्रदयो में अस्वीकार कर देते है, जब वे उसे स्पष्ट रीति से प्रमाणित होते हव देखते हैं कि वह कौन है, ठीक हमारे मध्य में। जी हां, श्रीमान।

130 पिलातूस ने एक दिन दृष्टि डाली, और मान गया था, परंतु उसकी राजनीति बहुत ही बड़ी थी। वो तब नहीं कर सका, वो इस पर स्थिर ना रह सका।

131 लूथर ने दृष्टि डाली, और उसने धर्मीकरण को देखा। वह इसके साथ चला। फिर वे संगठित हो गए।

132 फिर वैसे ही वेस्ली आया, पवित्रीकरण को देखा जब उसने मसीह की ओर देखा, कि कलीसिया को पवित्र होनी चाहिए। और ठीक संग इसके साथ चला पवि–...

133 साथ ही पेंटीकोस्टल आये और दानो का वापस आना देखा। उन सब ने क्या किया? बिल्कुल ठीक जैसे कैथोलिक ने किया, इसे संगठित किया, इसे फिर से पीछे डाल दिया।

134 हे परमेश्वर! मैंने एक दिन दृष्टि डाली और जब मैंने किया मैंने अल्फा और ओमेगा देखा। मैंने आदि और अंत को देखा। मैंने देखा यीशु मसीह कल और... मैंने अपने पापों की क्षमा करने वाले को देखा। मैंने देखा कोई तो है जिसने मेरा स्थान लिया। ओह!

आप क्या देखते हैं जब आपने देखा?

135 मैं ठीक अभी अपने पुराने मित्र को देख रहा हूं, बिल डाऊच, जो यहां बैठे हुए है। यह व्यक्ति बयानवे वर्ष का होने का जा रहा है। कुछ दिनों पहले, अधिक समय नहीं हुआ, बल्कि, लगभग छ: महीने पहले, उनंका ह्रदय पूरा रुक गया था और कुछ मिलाकर ह्रदय का दौरा हुआ।

136 "डॉक्टर ने कहा वो मर रहा है।" उसकी पत्नी ने मुझे बुलाया और कहा, "भाई ब्रन्हम, आईये। वो मर रहा है। बिल तुम्हारा मित्र है।"

और मैंने कहा, "तो ठीक है, मैं ऐसा करूंगा।"

137 और अपने मार्ग में, उसके घर पहुंचते हुए, मैं प्रार्थना कर रहा था। "परमेश्वर, मुझे यह पसंद नहीं कि जाकर उससे 'अलविदा' कहूं।" मैं जानता हूं यदि मेरे वहां पहुंचने तक वह जीवित रहा कि मैं उसे 'अलविदा' कह सकूं।" वो ऑक्सीजन में है, पूरी रीती से ह्रदय का दौरा, इन्कांवे वर्ष का। मैं पेट्रोल भरवाने के स्थान से बाहर निकला, और मैंने देखा, और, जब मैंने देखा, मैंने बिल को सड़क पर आते हुए देखा और मेरे साथ हाथ मिलाया।

138 आज रात्रि वह यहां बैठा है। वह डॉक्टर जिसने उसे यह बताया था, वो डॉक्टर मर गया है। और यहां बिल डाऊच स्वयं बैठे हुए है, जो लीमा, ओहियो से है, बर्फ बारी में गाड़ी चलाते हुए आए हैं, जहां–जहां मैं जाता हूं वे हर सभा में जाते है। क्यों? हमने देखा है; हमने कुछ तो देखा। वही परमेश्वर जिसके विषय में मैंने पिछली रात्रि बातें की, वहां उस ओर केलोरेडो में,

तूफान के समय में, मैंने दृष्टि करके देखा, कि वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है।

139 यहां श्रीमान वे बैठे हुए हैं, एक अंग्रेज, यहां एक ओर बैठे हुए हैं, अभी ठीक यहां पर, अभी–अभी उन्हें यहाँ बैठा हुआ देखा। ये इन्डियाना से आए हैं। ये अंग्रेज है। उनकी पत्नी एक—एक पंजीकृत नर्स है। भला मनुष्य! एक दिन, मैंने उनसे बात की। मैं सभा में प्रचार कर रहा था, जो मैंने कहा, वो अपने ह्रदय में, उससे अप्रसन्न था, और, जब उसने किया, वह ठीक श्रोतागणों के बीच में वही गिरकर मर गया। वहां वो मर गया। उसकी पत्नी ने उसे पकड़ा और उसको अनुभव किया; उसकी आंखें, चेहरा काला पड गया था, उसकी आंखें... नहीं खुल रही थी, उसकी आंखें बाहर आ गई थी और वापस सिर के अंदर चली गई। मैंने कहा, "रुके रहो।" वहां उसकी ओर देखा, और मैंने सोचा और, "ओह, वहां वह मनुष्य, मरा हुआ है।"

140 नीचे बैठा, अपना हाथ उस पर रखा, और वह इतना ही ठंडा पड़ा था जैसे यह मेज है। वह जा चूका था। श्रीमती वे ने कहा, "ओह, भाई ब्रन्हम, वो जा चूका है! वो जा चूका है।" बहुत जोर की आवाज़ से चिल्लाई।

141 मैंने दूर देखा। मैंने पुनरुत्थान और जीवन को देखा। मैंने प्रार्थना की, कि यीशु ने मुझसे यह बताया कि, और भाई वे जी उठा। ठीक यहां पर वो आज रात्रि बैठे हुए है, मृतकों में से वापस आ गए, आज रात्रि यहां बैठे है।

142 यह ठीक है, श्रीमान वे, यदि आप बस जरा एक मिनट के लिए खड़े होंगे ताकि लोग आपको देख सके। और *यहां* पर बिल डाऊच बैठे हैं।

143 यह क्या है? क्योंकी हम उसकि ओर देखते हैं, जो कि एक सा है जिसने लाजर को जिलाया, वह एक सा ही है, जैसा वह था। वो कल आज और सर्वदा एक सा है। जी हां, वो नहीं बदलता।

144 यहां मेरे सामने छोटा प्रचारक बैठा हुआ है, जिनका नाम ब्लेयर है। उसका छोटा लड़का एक दिन दुर्घटना ग्रस्त हो गया था, और उसकी पत्नी वहां बैठी हुई थी, अब उनकी आंखों पर से आंसू पोछ रहे है। उन्होंने मुझे टेलीफोन पर वहां बुलाया, और उसने कहा, "भाई ब्रन्हम हमारा छोटा लड़का एक कार में था और पहाडी पर से नीचे आ गयी, और वह दब गया, दिमाग में धक्का लगा है और इत्यादि। वह लगभग चला गया है; धीरे–धीरे सांस चल रही है।" कहा, "क्या आप प्रार्थना करेंगे? "

मैंने कहा, "आईये प्रार्थना करें।"

145 और देखना आरंभ किया, यह टेलीफोन पर, था, और प्रार्थना करना आरंभ किया। मैंने कहा, "प्रभु परमेश्वर, मैं उनसे क्या कहूंगा? " मैंने देखा एक छोटा लड़का भागता हुआ जा रहा है, और रस्सी कूद रहा है, इस प्रकार से नीचे–नीचे भाग रहा है। मैंने कहा, "वह चंगा होने जा रहा है।" और आज रात्रि वह यहां पर है। और यहां पर वे बैठे हुए है। क्यों? क्योंकी यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है।

146 देखो! देखो! आप क्या देखते हैं जब आप उसे देखते हैं? मैं उसी चंगाकर्ता को देखता हूं। आमीन। मैं उसी एक को देखता हूं जो गलील में चला। मैं उसे उसकी सामर्थ में देखता हूं। मैं उसे विचारों को परखता हुआ देखता हूं और ह्रदय के भेदो को, अन्त समय से ठीक पहले चिन्हों को दिखा—दिखा रहा है। हम कैसे इस श्रोताओं में से होकर जा सकते थे और सारे राष्ट्रों में, कहते हुए कि वह आज क्या है!

147 आप जानते हैं कि मैं क्या सोचता हूं? जैसे कि उस बूढ़े नीग्रो ने एक बार कहा था, गुलामी के समय में। एक दिन, वह उसके पास आया, उसने कहा, "आप जानते हैं... मैं अब स्वतंत्र हूं।" सो वह दूसरे गुलामों के बीच बताने लगा, और गुलामों ने कहा...

148 और यह बात मालिक तक पहुंच गई। और मालिक ने कहा, "सेम, तुम यहां आओ।" कहा, "वह क्या बात है जो तुम वहां गुलामों के बीच में कह रहे हो? "

उसने कहा, "मालिक, मैं स्वतंत्र हूं।"

बोला, "तुम कैसे स्वतंत्र हो? "

149 उसने कहा, "मैं पाप और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र हूं, क्योंकी यीशु मसीह ने मुझे स्वतंत्र किया है।"

उसने कहा, "सैम, तुम्हारा ये अर्थ है? "

उसने कहा, "जी हां।"

150 कहा, "मैं जाकर और तुम्हारी आज़ादी के लिए हस्ताक्षर करूंगा, और तुम्हें जाने दूंगा कि अपने भाइयों को इस विषय में बताओ।"

151 उस बूढ़े मनुष्य ने वर्षों और वर्षों प्रचार किया। अंत में एक दिन वह इसके द्वार पर आया, उसे उसके इस जीवन के भाग से अलग होना था। और जिस समय वह अपने खाट पर पड़ा हुआ था, कुछ दिनों से वो बेसुधी

की अवस्था में था, उसके बहुत से श्वेत मित्र साथ ही उससे देखन के लिए—के लिए आये, और अलविदा कहने आए क्योंकी वह एक मसीह का पुराना बहादुर सिपाही था। जबकि वह अपनी खाट पर पड़ा हुआ था, वो होश में आया, उसने चारों ओर दृष्टि करके देखा और उसने कहा, "मोसे, क्या तुम, या... "

"सेम, तुम अभी तक नहीं गए? "

152 "नहीं।" कहा, "मुझे वापस आना था।" उसने कहा, "मैंने सोचा की मैं वहां पर था।" कहा, "मैं—मैं—मैंने अवश्य ही स्वप्न देखा होगा।" कहा, "मैंने सोचा कि मैं वहां पर था। और जब मैं वहां पर खड़ा हुआ था," कहा, "एक दूत... मुझे उस द्वार पर ले जाया गया, और," कहा, "दूत वहां पर आया और बोला, 'सेम, आओ अपना ताज लो, और आकर अपने वस्त्र को लो।'"

153 उसने कहा, "मुझसे ताज और वस्त्र के विषय में बात ना करो, बस मुझे यहां खड़े होकर उसकी ओर लाखो वर्ष तक देखने दो।" उसने उसमें देखा वो एक जिसने उसे पाप और मृत्यु से स्वतंत्र किया। वहां उसने उस एक को देखा जो संकट और सुख में उसके संग बना रहा। हे परमेश्वर!

154 एक सुबह, मैं अपने खाट पर लेटा हुआ था। मैं अक्सर... आप मेरी जीवन कथा को जानते हैं। मेरे पास एक पुराना कुत्ता था, हम उसे फ्रिट्ज बुलाते थे। वह मुझे विद्यालय ले गया; हिरनो के छिपने के स्थान, और आदि–आदि। तो, मैं उसे अक्सर हर सुबह ले जाया करता था। मैं ऊपर जाता, सीढ़ी से ऊपर, छोटे से लठ्ठे के कमरे में चढ़ जाता, मैं उसे सीढीयो के नीचे भोंकते हुए सुनता। उसने मुझसे कभी धोखा नहीं किया। हमेशा ही उसके पास गया; मेरे लिए उसके पास कुछ तो था।

155 आप जानते हैं किसी एक सुबह मैं उसे वहां चरागाह में भौकते हुए सुनुंगा। मुझे अवश्य ही वहां जाकर और देखना चाहिए कि उसके पास क्या है। ये ठीक होगा।

156 भाईयो, सुनिये, मैं आपको बता दूं। वहां केवल एक ही चीज देखने को है जब आप यीशु मसीह को देखते है, यही परमेश्वर को उसमें देखना है, कल, आज, और सर्वदा एक सा है। मैं विश्वास करता हूं वो आज रात्रि, यहां पर है, हमारे लिए वैसा ही करने के लिए, जैसा उसने तब किया।

आईये हम एक क्षण के लिए अपने सिरो को झुकाये, जैसे की हम प्रार्थना करते है। प्रार्थना करे!

157 आज रात्रि क्या कोई एक यहां पर है जो कहेगा, "भाई ब्रन्हम, परमेश्वर से मांगे कि मुझ पर अनुग्रहकारी हो। मैं देखना चाहता हूं और उसे भिन्न प्रकार से देखना चाहता हूं। मैंने उसकी ओर देखा और अनुमान लगाया। मैंने उसकी ओर देखा और सोचा। मैंने उसकी ओर देखा और प्रश्न किया। वास्तव में, क्या उसने मेरी चिंता की? क्या वो मुझ से प्रेम करता है? क्या ये सारी बातें जो उसके विषय में कही गई है क्या ये सत्य है? मैं जानना चाहता हूं क्या यह सत्य है। क्या आप उससे मांगेंगे कि मुझ पर आज रात्रि प्रगट करें? " क्या आप अपना हाथ उठायेगे? प्रभु आपको आशीष दे। यह अच्छा है। हर कहीं।

158 बहुमूल्य प्रभु आपके विषय में बहुत कुछ लिखा गया है। हम जानते हैं कि आप कल, आज, और सर्वदा एक से है। प्रभु, हम प्रार्थना करते है, कि आज रात्रि जब हम उसकी ओर देखे, तो हम यीशु मसीह को देखेंगे। आपने अपने वचन में प्रतिज्ञा की है कि वे काम जो आपने किये, हम भी करेंगे। आपने अंतिम दिनों में प्रतिज्ञा की है, कि आप यहाँ इस धरती पर वापस आएंगे, पवित्र आत्मा के रूप में, कलीसिया सामर्थ से भरी हुई होगी, पवित्र आत्मा से। आपने कहा, "थोड़ी देर रह गयी हैऔर संसार को कोई लाभ ना होगा कि देखें, क्योंकी वे इसे नहीं देखेंगे। परंतु तुम इसे देखोगे, क्योंकी मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, और यहाँ तक तुम्हारे अन्दर, संसार के अंत तक।"

159 प्रभु यीशु, जबकि अब भी मनुष्य के लिए सौभाग्य है कि देखें, होने पाये आज रात्रि वे देखने पाये और उसे उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में देखें। वह मरा नहीं है, परंतु वह सदा तक जीवित है, बिचवाई के लिए तैयार है उनके लिए जो उसे स्वीकार करने को तैयार है। प्रभु, इसे प्रधान करें। और होने पाए ये जो सारे निवेदन मांगे गए है, प्रदान करें। पिता, इन बातों को यीशु मसीह के नाम में प्रदान करें। आमीन।

160 अब यह बीमारों के लिए प्रार्थना का समय है। मैंने आपके लिए प्रार्थना की है; विश्वास कीजिए परमेश्वर उत्तर को देगा।

161 अब, मैं विश्वास करता हूं कि बिली ने बहुत सारे प्रार्थना पत्र दिए है। क्या ये बी श्रृंखला के है? बी के, तो ठीक है। हमारे पास समय नहीं है; मैंने

थोड़ा सा अधिक समय ले लिया, मुझे क्षमा करें। मेरे पास कुछ ही मिनट है। बी, हमने कहां—हमने कहां से छोड़ा था, पिछली रात्रि? हमने कहां पर छोड़ा था, पिछली रात्रि हमने कहां पर छोड़ा था? [कोई कहता है, "हमने सारे ले लिए थे।"—सम्पा।] ओह, सारे ले लिए? हम अब बी से आरम्भ करेगे, संख्या एक से, तब। तो ठीक है।

162 संख्या एक, कौन... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... तीन, चार, पांच।

163 अब क्या कोई ध्यान दें। यहां आए, बिली आपमें से कोई तो जल्दी से, क्योंकी अब हमारे पास समय नहीं है। हम बस... और समय ना लगाये। कभी–कभी वे बहरे होते हैं और सुन नहीं सकते, और, या हो सकता उठ नहीं सकते या ऐसा ही कुछ। और यदि वे है, क्यों, हम...

164 संख्या एक, दो, तीन, चार, पांच। तो ठीक है, यहां सामने आ जाए, क्या आप आएंगे। वहां है एक, दो, तीन, चार... यह ठीक है। मुझे क्षमा करें, श्रीमान। छः, सात, आठ, नौ, दस, अब ये लोग खड़े हो जाए। छ, सात, आठ, अब कोई, आठ, नौ, दस। आठ, नौ... तो ठीक है। एक दो, तीन, चार, पांच... सात, आठ, नौ, दस। तो ठीक है, दस से पन्द्रह, खड़े हो जाए; बी श्रृंखला के, ये सारे पत्र दिए गए है। पन्द्रह, तो ठीक है, पंद्रह से बीस, खड़े हो जाए। एक से बीस, प्रार्थना पत्रों में, अपना स्थान *यहां* पर ले। एक, दो, तीन, चार, पांच, छः, सात, आठ, नौ, दस, ग्यारह, बारह, तेरह, चौदह, पंद्रह, सोलह, सत्तारह, अठारह. उन्नीस। यही है। बीस से पच्चीस।

165 कितनों के पास प्रार्थना पत्र नहीं है? आप अब भी उस पर विश्वास करते है। जिस समय वे आ रहे हैं और अपना स्थान ले रहे है, जबकि वे जो पच्चीस है, पहले पच्चीस आ रहे है, मैं आप से पूछता हूँ। बाइबिल ने कहा, इब्रानियो की किताब में, कि, "यीशु मसीह हमारा महायाजक है।" क्या आप यह विश्वास करते है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] "वह एक जो हमारी दुर्बलताओ के अनुभवो के द्वारा छुआ जा सकता था।" क्या हम इस दिन में निर्धारित करने जा रहे है, उबाऊ; और अपने महायाजक हमारे मध्य में खुद को ज्ञात करवाते हुए देखे, और गूंगे चरने वाले पशुओं के समान बैठे है? नहीं, श्रीमान। आइये हम उठे और हृदय से किसी भी संघर्ष के लिए। चरने वाले गूंगे पशुओं के समान नहीं। नायक बने! आप लोग

इस ओर देखें और विश्वास करें। पवित्र लेख में देखें, उसने क्या प्रतिज्ञा की है। तो ठीक है।

हम कोई समय नहीं लेंगे, हम सीधे प्रार्थना पंक्ति में आरंभ करेंगे।

आइये हम फिर से प्रार्थना करें।

166 प्रभु यीशु, अब यह आपके हाथों में है। मैं आपके हाथों में हूं। प्रभु, हम वचन को ले, जो आपने कहा, "जैसा कि सादोम के दिनों में था," वो एक जिसका मैंने आज रात्रि उल्लेख किया है। आपने संत यूहन्ना 14:12 में कहा है, जब आप अपने दूर चले जाने के विषय में अपने चेलों से बात कर रहे थे, आपने कहा, "वो जो मुझ में विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वो भी करेगा।"

167 बाइबिल ने ये कहा, "परमेश्वर, ने बीते समय में भिन्न–भिन्न रीतियों से भविष्यवक्ताओ से बातें की, या, पूर्व पिताओ से भविष्यवक्ताओं के द्वारा बातें की; अंत के दिनों में अपने पुत्र, यीशु मसीह के द्वारा।" और वो वचन है। हम जानते है कि वे नबी आए, आत्मा उनके ऊपर आया और वचन को उस पीढ़ी के लिए जीवित किया; राजाओं को श्रापित किया, न्याय में लाया, धर्मियों को बाहर निकाला, खोये हुओ को बचाया; वे भविष्यवक्ता जिनके पास वचन आया।

168 अब इस अंत के दिन में, प्रभु, आपने प्रतिज्ञा की है। आपने कहा है, "जैसा कि यह सादोम के दिनों में था," जिस समय अब्राहम दिन की गर्मी में वहां बैठा हुआ था, वह छोटी, बाहर बुलाई गयी कलीसिया। आज हम संसार की ओर देखते है, पिता, हम बिल्कुल ठीक सादोम को देखते है, अन्यजातियों की भ्रष्टता, गुनगुनापन। और हम इन तीनों दूतो को अब्राहम के समक्ष प्रगट होते देखते है।

169 उन में से दो दूत वहां नीचे गुनगुनी कलीसिया में गए, लूत, ताकि उन्हें बाहर निकालने का यत्न करे। दो वहां नीचे चले गए, आधुनिक बिली ग्राहम, कि उन्हें बाहर निकाले; कोई आश्चर्यकर्म नहीं, केवल उनकी आंखों को अंधा किया। सुसमाचार का प्रचार करना, इसे करता है।

170 परंतु वहां एक दूत था जो अब्राहम के झुण्ड के साथ रुका रहा, जो चुने हुओ को दर्शाता है, बाहर बुलाए हुए, ये सादोम में नहीं था; सादोम से बाहर जन्मे थे, सच्ची कलीसिया, जो आज का अब्राहम का बीज है।

और जब यह मनुष्य, जिसने उनसे बातें की, कहां, "तेरी पत्नी साराह कहां है? "

कहा, "वह तेरे पीछे तंबू में है।"

171 और उसने कहा, "मैं जीवन के समय अनुसार तुमसे भेट करूंगा।" और वह हंसी।

172 उसने कहा, "वह क्यों हंसी? " परख लिया कि वह क्या कह रही थी और स्वयं में जो सोच रही थी, उसकी पीठ तंबू की ओर थी जहां पर वह थी।

173 यीशु नासरी, परमेश्वर का पुत्र, उसने अपने वचन में हमें बताया, "जैसा कि ये उस दिन था वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिन में होगा।"

174 और यह बहुत विचित्र बात है, पिता, कि इन सारे युगों में, कभी भी एक सुधारक नहीं हुआ, जो वहां सादोम में गया जिसके नाम का अंत "एच–ए–म," से हो आज के दिन तक नहीं हुआ। आपका दास, बिली ग्राहम, वहां सादोम में अपने कार्य को कर रहा है।

175 अब, पिता मैं प्रार्थना करता हूं कि आप अब्राहम के बीज को बचायेंगे जो आज रात्रि यहां पर है, उन्हें अपने बहुमूल्य प्रतिज्ञा किये हुए पुत्र के पवित्र आत्मा से भर दे। तुरंत ही इसके बाद परमेश्वर देह में प्रगट हुआ, और इस चिन्ह को दिखाया, तब प्रतिज्ञा का पुत्र दृश्य पर आ गया। परमेश्वर, हम उसके लिए दो हज़ार वर्षों से राह देखते आ रहे हैं, अब्राहम का बीज। बहुत से सो रहे है; यह सातवीं घड़ी है, हम उस पुकार की प्रतीक्षा कर रहे हैं किसी भी समय आ जाए, "देखो, दूल्हा आता है।"

176 पिता, आज रात्रि प्रदान करें, जिससे कि लोगों की समझ खुल जायेगी, जो वे देखेंगे की इस चिन्ह की प्रतिज्ञा दी गई थी, पुत्र के आने के ठीक पहले। जैसे कि पीतल का सर्प भी मसीह को दर्शाता है, वैसे ही पुत्र का आगमन और उसके आगमन का चिन्ह (स्वाभाविक रूप में) आत्मिक को दर्शाता है, आज यीशु का आगमन, अब्राहम का शाही वंश है। प्रभु, इसे प्रदान करें। हम यीशु के नाम में, मांगते है, जैसे कि हम खुद को आपको समर्पित करते है। आमीन।

177 मैं बीमारों के लिए प्रार्थना करने से पहले एक बात कहना चाहता हूं। बहुत से लोगों पर दान के विषय में गलत प्रभाव है। एक दान कुछ ऐसा

नहीं है जो परमेश्वर आपको देता है है कि जाकर और कहे, "यहां, मैं यहाँ पर जाऊंगा और *इसे* ले लूंगा और मैं वो लूंगा और मैं *ऐसा* करूंगा।" ये दान नहीं है। बहुत से लोग ऐसा सोचते है, परंतु वे गलत रूप से प्रभावित है। परमेश्वर का दान बस यह जानना है कि स्वयं को बीच में से कैसे हटाए, जिससे कि परमेश्वर आपका उपयोग कर सकता है, यही तो दान है। समझे? जब तक आप अपने आपे में है...

178 क्या यीशु ने खुद यह नहीं कहा, "पुत्र वही कर सकता है... " संत यूहन्ना 5:19, "मैं तुमसे सच, सच कहता हूं, कि पुत्र स्वयं से कुछ नहीं करता।" वो उस तालाब के पास से होकर निकला जहां वे सारे अपाहिज थे, और एक ही व्यक्ति को चंगा किया जो प्रोस्टेट ग्रंथि की तकलीफ से पीढ़ीत था, या ऐसी ही कुछ तो, (बीमारी) से रुका हुआ था। उसने कहा, "पुत्र स्वयं में कुछ नहीं कर सकता; परंतु जो वह पिता को करते देखता है पुत्र भी वैसा ही करता है।" "ये मैं नहीं," उसने कहा, "जो इन कार्यों को करता है; ये मेरा पिता है जो मुझ में वास करता है, वह कार्यों को करता है।"

179 अब, आप लोग जो वहां बैठे हुए है, आप किसी मनुष्य कि ओर देखने का साहस ना करे। आप मसीह को देखे; वही वो एक है। परंतु उसने अंतिम दिनों में प्रतिज्ञा दी है कि वह स्वयं को मानव देह में प्रगट करेगा, जैसा उसने वहां सादोम में किया। अब आपकी देह, मेरी देह, आईये हम अपने ह्रदयो को खोलें और हमारे खुद विचारों को दूर करें, और केवल वचन को हम में अपने कार्य को करने दे, उसके बाद हम परमेश्वर की आत्मा के महान दानो को हमारे सामने प्रगट होते हुए देखेंगे।

180 वास्तव में श्रद्धापूर्वक बने रहे। कोई भी ना छोड़कर ना जाये। बिल्कुल शांत रहे और प्रार्थना करें। मुझे पक्का हूं कि आप सरहाना करते है।

181 और यदि यहां पर कोई भी है जो सोचता है यह जो झांसा है, तो मैं आपको मंच पर आने की चुनौती देता हूं। कोई भी हो! तब, यदि आप इसे करने से डरते है, तो इसके बारे में कुछ भी ना कहे।

182 यीशु मसीह के नाम में, मैं हर एक आत्मा जो यहां पर है अपने नियंत्रण में लेता हूं, कि परमेश्वर के वचन को घोषित करूं।

183 आज रात्रि यहां अपर यूहन्ना चौथे अध्याय की तस्वीर है। एक पुरुष और महिला एक साथ भेंट करते हैं, मैं समझता हूं पहली बार। मैं आपको

नहीं जानता। सम्भवत: है आप मुझे जानती है, अखबारों के द्वारा और—और मेरे लिए सुना है, परंतु मैं आपको नहीं जानता। आप ये जानते है। हम एक दूसरे के लिए अजनबी है, जैसे कि हमारा प्रभु एक बार कुए पर एक महिला से मिला; एक पुरुष और महिला भेट कर रहे है, बात कर रहे है।

184 परंतु यदि मैं हमारे किसी भाई में से एक के समान आकर, कहूं, "परमेश्वर ने मुझे चंगाई का दान दिया है... "

185 आप जानते है कि चंगाई का दान क्या है? चंगाई में विश्वास करना। देखो, आपको बस आपके विश्वास को प्रदर्शित करना है, ताकि किसी के लिए प्रार्थना करे, बस यही चंगाई का दान है। हर सेवक के पास ये होना चाहिए, प्रत्येक के पास, देखो, चंगाई का दान होना चाहिए। सामर्थ जो आपको चंगा करती है जो आपके अंदर है, पवित्र आत्मा, आपको केवल इसे अपने तरह से कार्य करने देना होगा। ऐसा ही है।

186 बिल्कुल उसी तरह जैसे की पेड़ के अंदर का जीवन होता है। आपको पेड़ में सेबो को नहीं उडेलना होता है, कि ये सेबो को लाये। इसे बस जमीन में बो दिया जाता है, और ये पानी को पीता है और बाहर धकेलता है।

187 तो, इसी प्रकार से आप पवित्र आत्मा से करते है। ये आपके भीतर होता है। आप बस ना चुकने वाले सोते यीशु मसीह से पीते है, और ये आत्मा के फलो को बाहर धकेलता है। समझे?

188 अब मैं यहां पर खड़ा हूं, आपको नहीं जानता। परमेश्वर यह जानता है। आप पूरी तरह से अजनबी है।

189 अब यदि मैं बढ़कर और आप पर हाथ रखू, और कहूं, "बहन, आप चंगी होने जा रही है।" आप इसका विश्वास कर सकती है, और ये ठीक हो जायेगा। परंतु अब क्या हो यदि वो आता है... देखो, ऐसा उन दिनो में था जो बीत गए, पहले पेंटोकोस्टल के दिनों में।

190 अब हम उससे आगे के दिनों में रह रहे है। हम पेंटीकोस्ट से आगे हैं, वैसे ही जैसे हम मैथोडिस्ट और लूथरन से है। हम लोग आगे प्रभु के आगमन पर है, जहां वो सेवकाई जिसे यीशु मसीह ने स्वयं करी, बिल्कुल ठीक वैसी ही होगी। जैसा कि पिरामिड पर चोटी का पत्थर, इतना कांटा–छांटा जाना होगा जब तक हर एक पत्थर सहीं–सही ना बैठ जाए। और कलीसिया को ऐसी स्थिति में आना ही है ताकि चोटी के पत्थर को ले

सके, उसके बाद सारी चीज को पुनरुत्थान में ले लेगा, जब वो देह उठ खड़ी होती है।

191 क्या आप इसका विश्वास करते हैं? क्या आप इन बातों को विश्वास करते हैं जो मैं आपको बताता हूं सत्य है? क्या आप करते हैं? यदि प्रभु यीशु मुझे कुछ तो बताएगा जो आपने किया है, कुछ ऐसा जो आपको नहीं करना चाहिए, कुछ तो जो आपके साथ गलत है, या जो भी हो, हो सकता है आर्थिक, घरेलू बात, मैं नहीं जानता; ये जो कुछ भी हो, आप मेरा विश्वास करेंगी, क्या आप करेगी, उसका दास होने का?

192 आप एक मसीही है। देखो, मैंने आपसे बात की ताकि आपकी आत्मा को जान सकूं। देखिए, इसी प्रकार से उसने ये कुए पर किया; उसने कहा, "मुझे पीने को पानी दे।" आप एक मसीही है। आप एक विश्वासी है। ये ठीक बात है। ना ही एक रुकावट करने वाली; एक विश्वासी! तो ठीक है। आपकी परेशानी आपकी मुख्य परेशानी, आपकी गर्दन में है। आपकी गर्दन के पीछे, मांस बढ़ा हुआ है, और वह बड़ा मास आपके ऊपर दबाव बनाता है। यह आपकी आंखों और इत्यादि को नष्ट कर रहा है। ये सही है? ये **यहोवा यो कहता है**, वो है। ये ठीक बात है। यदि आप इसका विश्वास करेंगी, तो ये चला जायेगा। [बहन कहती है, "ये सत्य है।"—सम्पा।] परमेश्वर आपको आशीष दे। अब जाये।

193 आप कैसे हैं श्रीमान? मैं आपको नहीं जानता। हम एक दूसरे के लिए अनजान है। यीशु मसीह क–... आज और सर्वदा एक सा है। यदि मैं स्वयं को विश्रामवस्था में ला सकूं, इतना अधिक कि पवित्र आत्मा मेरे होठों का और मेरी आंखों का उपयोग कर सके, बिल्कुल जैसे...

194 क्या आपने कभी स्वप्न देखा? निश्चय ही। आप का कोई—कोई भाग, आपको निष्क्रिय करना होगा, आपकी पांचों चेतनाओ में। आपके पास—आपके पास एक विवेक है और एक अवचेतन है। आपका पहला विवेक *यहां* है, और आपका अवचेतन *यहां* पर है। आपको अपनी पांचों चेतनाओ में निष्क्रिय होना होगा, कि *यहां* स्वप्न में जाए; परंतु जब आप स्वप्न से वापस आते है, यह इस पर प्रभाव डालता है जब तक आप याद करते हैं कि आपने क्या स्वप्न देखा।

195 अब, नबी, भविष्यवक्ता उनका अवचेतन *वहां* पर नहीं होता; ये ठीक *यहां* पर है। वे अपनी पांच चेतनाओ से बाहर नहीं जाते है; आप खड़े रहते

है, आप खड़े होकर स्वप्न देख रहे होते है। आप कहेगे स्वप्न... मैं कहूंगा, "स्वप्न मेरे लिए स्वप्न है।" आप इसे नहीं कर सकते। ना ही मैं आपको एक दर्शन दिखा सकता हूं। यह तो परमेश्वर है जो ऐसा करता है। परंतु इसे देखने के लिए मुझे सोना नहीं पड़ता, मैं यहां खड़ा होता हूं और इसे देखता हूं। यह परमेश्वर का दान है। यदि मैं पहला विवेक सामने से हटा दू, तो परमेश्वर दूसरे विवेक का प्रयोग करेगा यदि उसे कुछ कहना है तो। यह तो उस पर है।

196 परंतु यदि परमेश्वर की सहायता से मैं सक्षम हो जाऊ... यदि यीशु यहाँ इस सूट को पहनकर यहां खड़ा होता था जो उसने मुझे दिया, यदि आप बीमार है वह आपको चंगा नहीं कर सकता; नहीं, उसने यह पहले ही कर दिया जब वह मरा। परंतु मैं नहीं जानता कि आप यहां किसलिए है। आप बस एक मनुष्य ही है। और हम लगभग, एक सी आयू के है, और हम बस—बस यहां मंच पर खड़े हुए है, पहली बार मिल रहे है। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर मुझ पर आपकी इच्छा को प्रगट कर सकता है, या आपने क्या किया है, या आपकी रुकावटें? यदि वो आपको बता सके कि क्या हुआ है, वह आपको बता सके कि क्या होगा। क्या आप इसका विश्वास करते है?

197 मैं अधिक समय लेना नहीं चाहता, परंतु मैंने दृढ़ता से प्रचार किया है और आपके पास है... समय, बैचेन, आपको वास्तव में विश्रामवस्था में होना है क्योंकी मैं कुछ भी नहीं कर सकता जब तक वह मुझे ना दिखाये।

198 हां, ये यहां पर है, वो उजियाला वहां उस व्यक्ति और आ रहा है। तो ठीक है, श्रीमान। नहीं, श्रीमान, आप यहां अपने लिए नहीं है, आप यहां किसी और के लिए है, और यह एक पुत्री है। और ये पुत्री कैलिफ़ोर्निया में रहती है, और उसकी कार दुर्घटना हुई है, कुछ समय पहले। और मुझसे चाह रहे है... आप यहां खड़े हुए है कि मैं उसके लिए प्रार्थना करूं, क्योंकी वह अब भी उसके कारण कष्ट में है। और, सुनिए, मैं आपको कुछ तो बताऊं, कि कार दुर्घटना कैलिफोर्निया में नहीं हुई थी। ये डलास टेक्सास में था, जहाँ पर कार दुर्घटना हुई। क्या ये सही बात है? वह चंगी होने जा रही है। मत भूलिए, मैं उसे जाते हुए देखता हूं। तो ठीक है, विश्वास करें। जाईये और अब विश्वास करें, भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे।

199 महिला, आप कैसी है? मैं आपके लिए अपरिचित हूं। हम एक दूसरे को नहीं जानते। हम पूरी तरह से अपरिचित है। क्या... विश्वास करती है कि यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एकसा है? आप उस पर विश्वास करती है? अब यदि पवित्र आत्मा मुझे आपके विषय में कुछ बता सकता है, जो आप जानती हैं मैं नहीं जानता, तब ये क्या आपको विश्वास करवायेगा, क्या ऐसा नहीं है? आप... आपके पास परेशानियाँ है। आपके साथ बहुत सी चीजें हैं, परंतु जो आपकी मुख्या बात है, आपको एक ट्यूमर होने के कारण ऑपरेशन का सामना करना है, और ट्यूमर आपकी बगल में है। यह ठीक है। यह सही है। यही है जिसके लिये यहां आप प्रार्थना करवाने के लिए है। यदि मैं आपको बता सकूं कि आप का क्या नाम है, तो क्या आप मेरा उसका भविष्यवक्ता होने का विश्वास करेंगी या विश्वास करेंगी ये ठीक ही होगा? कुमारी होलमन, मैंने अपने मार्ग पर जाएं, आनंद करते हुए। देखा? परमेश्वर आपको आशीष दे। अब विश्वास करे। सन्देह ना करे।

200 महिला आप कैसी हैं? एक दूसरे के लिए अपरिचित। आप मुझसे छोटी है, बस एक महिला और एक पुरुष।

201 एक क्षण रुकना, हर एक जन वास्तव में श्रद्धापूर्वक रहे। प्रभु का आत्मा यहां से चला गया।

202 यह मनुष्य *यहां* पर बैठा हुआ है चश्मा पहिने हुए हैं, उसकी आत्मिक समस्या है आपके दिमाग में। आप नहीं जानते कि क्या करूं। आप पूरी तरह से उलझन में है। आप विश्वास करे है, और आप पूरी तरह ठीक हो कर बाहर आ जायेगे। जी हां, श्रीमान। आप ऐसा करेंगे? तो ठीक है।

अब श्रद्धापूर्वक रहे।

203 यहां एक छोटी महिला है, जो ठीक यहां बैठी हुई है, वो *इस* प्रकार से देख रही है, अपने हाथों के साथ, प्रार्थना कर रही है। उसका एक हाथ खराब है जिसके लिए वह प्रार्थना कर रही है। यदि आप विश्वास करेगी, जी हां, परमेश्वर इसे चंगा कर देगा। मैं आपको नहीं जानता, आप मुझे नहीं जानते, परंतु आपने कुछ तो छुआ है। आपने मुझे कभी नहीं छुआ; आप मुझसे बीस फुट दुरी पर है। यीशु मसीह आपको चंगा करता है। आपका विश्वास आपको चंगा करता है।

204 यदि यह वही यीशु नहीं है, वो महायाजक, जिसे हमारी दुर्बलताओं के साथ छुआ जा सकता है! क्या आप ऐसा होने का विश्वास नहीं करते? [सभाब कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

205 मुझे क्षमा करें, मुझे बस उसी का अनुकरण करना है जो चलाता है।

206 अब दुर्बल हो रहा हूं, आप देखे, बस एक... आप जानते है, एक बार, हमारे प्रभु के वस्त्र को एक महिला ने छुआ था और उसने कहा...

207 मुझे क्षमा करें, यह अश्वेत महिला यहां बैठी हुई है, प्रार्थना कर रही है; पित्ताशय की परेशानी, तेज रक्तचाप है। महिला, विश्वास करें, यह आपको छोड़ देगा। आमीन।

208 मैं वहां देखता हूं कि एक अश्वेत महिला वहां पर खड़ी हुई है, देखिए, उसके विश्वास ने उसे वहां खींच लिया। आमीन।

209 वह महिला जो ठीक उसके पीछे है, दमे के साथ था। यदि आप यह विश्वास करेगी कि परमेश्वर आपको दमे से चंगाई देगा, तो इसे पा भी सकती है, यदि आप इसका विश्वास करेंगी।

210 आपके ह्रदय में एक बड़ी इच्छा है, और ये एक—एक उचित इच्छा है। आप एक बालक को चाहती है। और वो कारण कि आपके पास ये नहीं हो सकता है क्योंकि आपको एक महिला रोग है। और ये ठीक बात है। [बहन कहती है, "यही है जो मैंने प्रार्थना पत्र पर लिखा है।"—सम्पा।] तो ठीक है, क्या अब आप विश्वास करती है कि आप को... कि परमेश्वर आपको यह देगा? ["जी हां। ये सही बात है।"] यदि प्रभु यीशु मुझे बताता है कि आप कौन है, क्या आप विश्वास करेंगी? ["जी हां।"] श्रीमती लेम्बर्ट। ["ये सही है।"] अब आप जाए, इसे विश्वास करें। क्या इससे आपको विश्वास होता है? ["आमीन।"] होने पाए वो इसे प्राप्त करे, परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में।

विश्वास रखे!

211 श्रीमान, हम एक दूसरे के लिए अपरिचित है, परन्तु परमेश्वर हम दोनों को जानता है। क्या आप विश्वास करते है कि प्रभु यीशु मुझ पर आपकी परेशानी को प्रगट करेगा? आप करते है। आप यहां से नहीं है। आप एरीजोना नहीं है। आप वहां दूर पूर्वी: मिशीगन से है। ये ठीक बात है। सही है। आपको तेज रक्तचाप है, और नसों से रक्त के प्रवाह में मुश्किल हो रही है, सुनने

में मुश्किल होती है। ये आपको छोड़ गया। वापस मिशीगन जाए, प्रभु यीशु आपको चंगा करता है।

परमेश्वर में विश्वास रखें!

212 वह महिला जो यहां बैठी हुई है, अपने पिता के लिए प्रार्थना कर रही है। उसे पार्किसन रोग है। और... अब मैं उसे देखता हूं, और उस पर परछायी है। ना ही उस पर मृत्यु की परछाई है, परंतु अनंत मृत्यु, क्योंकि वह बचा हुआ नहीं है। यह सत्य है। क्या आप विश्वास करती है कि परमेश्वर उसे बचा लेगा और उसे चंगा करेगा? यदि आपके पास यीशु मसीह को छूने के लिए पर्याप्त विश्वास है, हमारा महायाजक, निश्चय ही आप यह स्वीकार कर सकती है।

213 अब क्या आप मेरी तरफ से एक काम करेंगी? आप अपना हाथ उस महिला पर रखे जो आपके पास बैठी है। वह अपने भाई के लिए प्रार्थना कर रही है। जी हां। वह भाई बीमार है, और शराबी भी है। यह ठीक बात है। बस विश्वास करें, वह पीना छोड़ देगा और चंगा हो जाएगा।

"यदि तू तो विश्वास कर सके तो सारी बातें संभव है!"

214 वह महिला यहां बैठी हुई है, ठीक मेरे सामने प्रार्थना कर रही है, अपना सिर नीचे किये हुए। मैं आपको बता सकता हूं, आप प्रार्थना कर रही है, "प्रभु, ये मैं होने पाऊं।" महिला... वो एक मित्र के लिए प्रार्थना कर रही है, वो यहाँ अस्पताल में है, वो कैंसर से मर रही है; और स्वयं अपने लिए भी प्रार्थना कर रही है। वह इसे चूकने जा रही है। श्रीमती कैली, अपने पैरों पर खड़ी हो जाए और चंगाई को ग्रहण करें, यीशु मसीह के नाम में। मैंने इस महिला को अपने जीवन में कभी भी नहीं देखा।

215 क्या विश्वास करती हैं कि परमेश्वर ह्रदय के रोग को चंगा कर सकता है? क्या विश्वास करते हैं वह आपको करता है? तो ठीक है, तो फिर आगे बढे, कहते हुए, "प्रिय परमेश्वर, आपका धन्यवाद हो।"

216 आपके लिए सुबह को उठना कठिन होता है, आप गठिया से बहुत अधिक अकड़ जाते है। ये कल से ऐसा नहीं होगा यदि आप बस इसे विश्वास करें और बढ़ते जाये। जी हां, श्रीमान।

217 ठीक है, श्रीमान। आपको आवश्यकता है कि कलवरी से आपमे लहू चढ़ाया जाए, ये मधुमेह और हर एक चीज को चंगा करता है। हम विश्वास

करते हैं कि वह ऐसा करता है? तो ठीक है, आप भी चंगे हो सकते है, यदि आप बस अपने संपूर्ण हृदय से विश्वास करें।

218 यहां आईये। आप नसे कमजोर है, यही आपकी परेशानी का कारण है। आपके पेट में फोड़ा हुआ है। क्या आप विश्वास करती है कि परमेश्वर इसे चंगा करेगा? [बहन कहती है, "हां, मैं करती हूं।"—सम्पा।] मैं आपको कुछ दिखाना चाहता हूं। मैं अपने घड़ी एक मिनट के लिए उतारता हूं। कमजोर नसे है, यह एक प्रकार से मुश्किल है, परंतु आप एक अच्छे प्राण है। मैं आपका हाथ पकडता हूँ। मैं आपका हाथ को पकड़ना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि आप मेरे हाथ को देखें। अब देखें आपके हाथ को मेरे हाथ के ऊपर रख रहा हूं। अब आप इसे देखे, क्या देखते है ये चीजें वहां यहाँ से वहां दौड़ रही है, ये छोटी तरंगों के समान? ["हां, मैं देखती हूं।"] ये वो जीवित फोड़ा है। अब देखिए, अपना हाथ हटा ले, अब यह वापस साधारण हो गया। अब मैं अपना हाथ उस पर रखूंगा, ये अब वैसा नहीं करता, क्या करता है? ["नहीं।"] परंतु अब आपका हाथ इस पर रखुंगा और ये फिर से वहां पर है। देखा? ["जी हां।"] अब यह यहां किसी को दर्शा रहा है, जिसे आप वास्तव में अपनी खुद की आंखों से देख सकते है। क्या ये ठीक बात है? ["जी हां। आमीन।"] अपना हाथ उठाये ताकि सभा के लोग देख सके कि यह सत्य है।

219 *यहां*, सभा के लोग इसे देख सकते है। अपना हाथ यहां पर रखे। अब अपने हाथ को हटाये, महिला। अब फिर अपना हाथ वहां रखे। ये एक जीवित फोड़ा है। यह मांस–तंतु है, कुछ तो मांस–तंतु को खाते जा रहा है। ये कमजोर नसो के कारण हुआ है, फैल रहा है। आपको महिला रोग भी है। तो ठीक है।

220 अब, यहां, अब ये होता है जब आपको कदम को उठाना होता है, जिससे कि ये महिला जान जाये।

221 अब मैं चाहता हूं सभा के लोग अपने सिरो झुकाये रखें, और प्रार्थना करें, क्योंकि ये एक से दूसरे में जाता है। जब आपको करना पड़ता है... यीशु ने कहा, "कि मेरे नाम से वे दुष्ट आत्माओं को निकालेंगे।" अब आपने सिर झुकाये रखे यदि आप उस एक फोडे को नहीं चाहते है। समझे?

222 अब यहां मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें। आपको एक फोड़ा है, अब आप मेरा हाथ देखें और देखें मैं अपने हाथ को नहीं हिलाता हूँ।

223 स्वर्गिय पिता, होने पाये कि आपकी दया और अनुग्रह इस महिला पर हो कि ये चंगी हो जाये। वो मेरे हाथ को देख रही है। वह देख रही है, पिता, कि देखे कि क्या कोई बदलाव हुआ है। और मैं जानता हूं, कि उसका विश्वास, अधीर अवस्था में; परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप उसकी सहायता करें। यीशु के नाम में, उसकी सहायता करें।

224 अब, वो महिला, मैंने अभी तक अपनी आंख नहीं खोली है, परंतु महिला जानती है कि मेरा हाथ अब भी वैसा ही है जैसा ये था। महिला, क्या ये सही बात नहीं है? [बहन कहती है, "जी हाँ।"—सम्पा।] अब ध्यान दें अब इसे बहु ही ध्यान से देखे।

225 सो, ये तमाशा करने के लिए नहीं किया गया है। ये इसलिए किया गया जो घोषणा करता है कि यीशु अपने वचन को बनाए रखता है। अब, उसने कहा, "मेरे नाम से वे दुष्ट आत्माओं को निकालेंगे।"

226 अब मैं अपना हाथ वैसे ही टिका कर पकड़ने जा रहा हूं। और मैं चाहता हूं की आप ध्यान दे, यह मेरा हाथ पकड़ने का तरीका नहीं है। देखो, ये वहां हर समय से है। देखिये, ये कैसा सूज गया है? [बहन कहती है, "हां।"—सम्पा।] हर बार और खराब होता जा है ["हां।"] क्योंकी मैं पकड़े हुए हूं। मेरा पूरा हाथ सुन्न हो गया है, कोहनी तक। अब आप जरा ध्यान दें एक समय के लिए।

227 प्रभु यीशु, तमाशा करने के लिए नहीं (हमें ऐसा करना है), परंतु इसलिए कि आपका वचन पूरा हो सके। आपने लोगों को इसलिए कभी भी नहीं चंगा किया कि आप तमाशा करे कि आप परमेश्वर थे, परंतु ये वचन का पूरा होना था। और इसी प्रकार से मैं... मैंने आज रात्रि ऐसा क्यो किया, पिता, मेरा भरोसा है कि ये भली महिला इसे विश्वास करें और इस दुष्ट से चंगी हो जाये।

228 शैतान, मैं तुझ पर यीशु मसीह के नाम में दोष लगाता हूं, जो सारी बीमारियों पर जयवन्त रहा, और ये उसके पांव के नीचे है। और उसके दास के नाई, मैं कदम को उठाता हूं। यीशु मसीह के नाम से, इस महिला को छोड़ दें, इससे बाहर आ जा।

229 अब मैंने अपने हाथ को नहीं हिलाया है। महिला मुझे गवाही को दे। मेरे हाथ को कुछ हुआ, क्या ऐसा नहीं था? [बहन कहती है, "जी हां, श्रीमान।"—सम्पा।] यदि ये सही है, तो "आमीन" कहे। ["हां। आमीन।"]

ये चला गया, क्या ऐसा नहीं है? ["हां। आमीन। ये चला गया।"] आप चंगी हो गयी है। ["हालेल्लुया!"] अब वहां वो महिला है। ["धन्यवाद, यीशु!"] अब यहाँ देखिए। अब मैं अपने हाथ को रखता हूं, आप बस वैसे ही अपना हाथ रखे। ["हां। आमीन।"] आप चंगी हो गयी है। ["हां। आमीन। हालेल्लूय्याह!"] जाईये, अपना रात्रि का खाना खाए, यीशु मसीह आपको चंगा करता है।

"मेरे नाम से वे दुष्ट आत्माओं को निकालेंगे!" जी हां।

230 बहन क्या आप विश्वास करती है? आप विश्वास करती है? क्या आप विश्वास करती है परमेश्वर इस दमे को आप से दूर कर सकता है और आपको चंगा कर सकता है? तो ठीक है, अपने मार्ग पर जाए, कहे, "आपका धन्यवाद, प्रभु यीशु। मैं आप पर अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करती हूं।"

231 श्रीमान आप कैसे हैं? ह्रदय आपको परेशान कर रहा है, तंत्रिका के कारण एक प्रकार का ह्रदय गतिरोध है; तेजी से धम–धम होता है, दुगने तेजी से धम–धम, एक और... दो एक ओर, एक दूसरी ओर। तो ठीक है श्रीमान, अब ऐसा होना बंद हो गया है। आगे बढ़े। आपका विश्वास आपको चंगा करता है, श्रीमान। अपने संपूर्ण ह्रदय से विश्वास करते जाए। तो ठीक है।

232 एक और पेट, खराब। क्या आप विश्वास करते हैं कि यीशु आपको चंगा करता है? बस जाए कहे, "धन्यवाद, प्रभु यीशु।" इसका विश्वास करें। यदि वह आपको बता सके कि आप कौन है, तो निश्चय ही वह आपको चंगा कर सकता है।

233 क्या हो यदि मैं आप से एक भी शब्द ना कहूं केवल आप पर हाथ को रख दू, क्या आप विश्वास करेंगे कि आप चंगे हो गए, वही कुर्सी पर बैठे हुए? क्या आप? अपने मार्ग पर जाए, कहे, "आपका धन्यवाद, प्रभु।" यही है जो आप विश्वास करते है।

234 आईये। क्या विश्वास करते है कि परमेश्वर ने उस पीठ की परेशानी ठीक किया है, तब वहीं पर बैठे हुए? तो ठीक है, आप जा सकते है, कहे, "आपका धन्यवाद प्रभु।" अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करें। जाईये और विश्वास करें।

235 श्रीमान, यदि परमेश्वर आपको चंगा ना करें, तो एक दिन आप अपाहिज होने जायेंगे, *इस* तरह से, इस छड़ी के सहारे इस गठिया के साथ–साथ चलेंगे। उसे क्यों नहीं ठीक अभी स्वीकार कर लेते हो? क्या आप ये विश्वास करते है? अपने मार्ग पर जाये और कहे, "आपका धन्यवाद, प्रभु।" इस चीज को मसल दे, और ठीक अपने मार्ग पर आनंद करते हुए जाये।

236 यीशु आपके पीठ को चंगा करता है और आपको स्वस्थ करता है। क्या आप इसका विश्वास करते है? तो ठीक है, अपने मार्ग पर जाए, ये कहते हुए, "धन्यवाद, प्रिय परमेश्वर।"

237 यहां आए, महिला। अब आप किस से भयभीत है? आपके डरने का कारण, जो आपके लिए यह रजनोवर्ती का समय होता है। आप जानती हैं, मेरा क्या अर्थ है एक स्त्री में का बदलाव। और हर एक चीज, सांझ को देर तक, आप ऊब जाती है। आप अपना काम भी नहीं कर सकती है, आप बहुत ही थक जाती है। क्या ये ठीक बात नहीं? [बहन कहती है, "ये सच है।"—सम्पा।] तो ठीक है। अब ये पूरी तरह ठीक है। आगे बढे, आपका विश्वास आपको चंगा करता है।

238 एक और, घबराया हुआ, परंतु आप अपने सारे जीवन घबराये हुये रहे हैं जब आप युवा थे, तो थोड़े घबराये हुये थे। आप यहाँ–वहां घूमने वाले छोटे से फ्रिट्जी थे। परंतु अब लगता है कि किसी ने आपको जकड़ रखा है। आप सारे समय दबाव में रहते है। क्या ये ठीक बात है? ऐसा अब और ना होगा, यदि आप मुझ पर अभी परमेश्वर का नबी होने का विश्वास करेंगे। जाईये और विश्वास करें।

239 कितने और है जो अपने सारे ह्रदय से विश्वास करते हैं? एक दूसरे पर अपने हाथो को रखे। नासरत के यीशु मसीह के नाम में, मैं यहां प्रत्येक पुरुष और महिला को आदेश देता हूं कि अपने हाथो को एक दूसरे पर रखें।

240 यदि परमेश्वर का वचन, यदि उसका भाग सही है तो फिर ये सारा सही है। यीशु मसीह ने कहा, "मेरे नाम में—में वे दुष्ट आत्माओ को निकालेंगे।" "परमेश्वर का वचन एक विचारों और ह्रदयो के इरादों का परखने वाला है।"

241 यीशु ने कहा, "यदि वे बीमारों पर अपने हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।" यहां पर हर विश्वासी इस पर "आमीन" कहे। [सभा, कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तो, फिर आप विश्वासी है, आप उसके एक लिए प्रार्थना करें जिसने आपके... आप उस एक के लिए प्रार्थना करें जिसका

हाथ आप पर है, क्योंकी वह आपके लिए प्रार्थना कर रहा है। आईये मिलकर प्रार्थना करें और शत्रु को पराजित करें, और हर रोगी व्यक्ति यहाँ यीशु मसीह की उपस्थिति में चंगा हो जाए।

242 सर्वशक्तिमान परमेश्वर, जीवन के रचयिता और सारे भले दानो को देने वाले, अपनी आशीषो को इन लोगों के ऊपर भेजे।

243 शैतान, तू लड़ाई को हार चुका है। यीशु मसीह यहां पर है। वह कल आज और सर्वदा एक सा है। मसीह लोगो ने ने अपने हाथ एक दूसरे पर रख रखे है। वे विश्वास की प्रार्थना को कर रहे है।

244 आपने कहा, "विश्वास करने वालों के ये चिन्ह होंगे।" उनमें से प्रत्येक जन कहे, "आमीन," वे विश्वास करते है। इन्होंने आपकी ह्रदय की इच्छा पर चिन्ह लगाया है, जब आपने कहा, "विश्वास करने वालों के ये चिन्ह होंगे।" उन्होंने एक दूसरे पर अपने हाथ रखे है।

245 शैतान, तू हार गया। यीशु मसीह के नाम से तू उन में से बाहर आ जा। इस स्थान को और इस ईमारत को छोड़ दे, यीशु मसीह के नाम में।

246 हर एक पुरुष और महिला जो विश्वास करता है कि विश्वासी ने उस पर हाथो को रखा है, विश्वास की प्रार्थना की गयी है, और आप अपनी बीमारी को भूलने के लिए तैयार है, इस बारे में अपने विचार को भूलने के लिए, और परमेश्वर के वचन को ग्रहण करने के लिए ताकि अपने ह्रदय में लेकर जाये, अपने पैरों पर खड़े हो जाये और अपनी चंगाई को स्वीकार करें, यीशु मसीह के नाम में। आमीन और आमीन! अब अब अपने हाथों को उठाये और उसको महिमा दे, क्योंकी यह सब समाप्त हो गया।

यीशु की ओर देखना HIN64-0122

(Looking Unto Jesus)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में बुधवार शाम, 22 जनवरी, 1964 को रामादा इन, फीनिक्स, एरिज़ोना, सयुंक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2021 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org